शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 119 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 25 मई 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

जनता तीसरी बार कांग्रेस को रिजेक्ट करने जा रही: मोदी

पांच चरणों के चुनाव में भाजपा-नीत एनडीए बहुमत से ज्यादा सीटें जीत चुका है: पीएम मोदी

मंडी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के मंडी में शुक्रवार को एक चुनावी जनसभा में कहा कि देश लगातार तीसरी बार कांग्रेस को रिजेक्ट करने जा रहा है। पांच चरणों के चुनाव में भाजपा-नीत एनडीए बहुमत से ज्यादा सीटें जीत चुका है। अब हिमाचल की चारों सीटें जीत कर सोने पे सुहागा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में चार शून्य की हैट्रिक लगने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पांच सौ साल के संघर्षों के बाद हुआ है। इस बीच कई पीढ़ियां संघर्ष करते हुए खप गईं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश राम मंदिर निर्माण की संकल्प भूमि है। क्योंकि वर्ष 1989 में पालमपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में जो निर्णय हुआ था, उसने इतिहास रचा है। पालमपुर में ही अयोध्या में भव्य राममंदिर बनाए जाने का संकल्प लिया गया था। जो अब बन कर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि आपके वोट की ताकत से ही अयोध्या में रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। इससे जहां सारा देश खुश है वहीं पर कांग्रेस खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि आपके वोट की ताकत से ही अयोध्या में राममंदिर बना है, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 की दीवार को गिरा दिया, पूर्व सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन देने के साथ ही भारत आज दुनिया की पांचवीं आर्थिक ताकत बना है। महिलाओं के लिए विधानसभा और लोकसभा में आरक्षण दिया गया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस को एक ऐसा भारत चाहिए जिसमें गरीबी हो, संकट हो और समस्याएं हों। कांग्रेस विकास का रिवर्स गियर लाना चाहती है। कांग्रेस चुनावों में कह रही है कि सत्ता में आने पर अनुच्छेद 370 को वापस लाएंगे।

गठबंधन वाले आरक्षण छीनकर अपने खास वोट बैंक को देना चाहते है: मोदी

शिमला/एजेंसी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन को स्वार्थी एवं अवसरवादी करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी पार्टी है। कांग्रेस एवं उसके साथी एससी, एसटी और ओबीसी से आरक्षण छीनकर अपने खास वोट बैंक को देना चाहते हैं। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आरक्षण का प्रावधान किया लेकिन कांग्रेस के लोग इसको खत्म कर अपने वोट बैंक मुस्लिम जेहादियों को देना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी

ने शिमला लोकसभा क्षेत्र के नाहन में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी सुरेश कश्यप के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में कहा कि कांग्रेस की सरकार ने कर्नाटक में यह कर दिखाया है और ओबीसी के अधिकार लेकर मुस्लिमों को दे दिए। ऐसा ही पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिला है। पश्चिमी बंगाल की सरकार ने 77 मुस्लिम जातियों को ओबीसी का आरक्षण दे दिया था। दो दिन पहले कलकता हाई कोर्ट ने 77 मुस्लिम जातियों के आरक्षण को खत्म किया लेकिन वहां की मुख्यमंत्री हाई कोर्ट के आदेश को भी नहीं मान रही हैं और संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इडी गठबंधन के घटक दल अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल तक सामान्य वर्ग के गरीबों की परवाह नहीं की। यह भी नहीं सोचा कि उनको भी आरक्षण की जरूरत है। मोदी ने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया और देश में कोई झगड़ा नहीं हुआ।

कांग्रेस को भारत मात की जय और वंदे मातरम कहने में दिक्कत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सीमा से सटा राज्य है और यहां के लोग एक मजबूत और ताकतवर सरकार का मतलब जानते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी आपके लिए जान की बाजी लगा देगा लेकिन आप पर कभी संकट नहीं आने देगा। आपने कांग्रेस का दौर देखा है जब एक कमजोर सरकार देश में होती थी और पाकिस्तान हमारे सर पर चढ़कर नाचता था। कांग्रेस की कमजोर सरकार दुनिया में गुहार लगाती फिरती थी लेकिन हमने निश्चित किया कि भारत अब दुनिया के पास भीख नहीं मांगेगा। भारत अपनी लड़ाई खुद लड़ेगा और फिर भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों को मारा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भारत माता की जय और वंदे मातरम कहने से दिक्कत है। ऐसी कांग्रेस कभी हिमाचल का भला नहीं कर सकती। मोदी ने कहा कि हिमाचल की सीमाएं पड़ोसी देशों सेटी हैं और कांग्रेस ने देश के सीमावर्ती इलाकों को अपने हालत पर छोड़ दिया था। कांग्रेस शासन में सीमवर्ती इलाकों पर सड़कें नहीं बनाई गईं। हमारी सरकार के कार्यकाल में सीमाओं पर सड़कें व आधारभूत ढांचा मजबूत किया गया और सीमा पर रहने वाले लोगों का जीवन आसान हुआ है।

कोई बरामदगी नहीं हुई तो जो भी गिरफ्तार हुए हैं उन्हें छोड़ दीजिए : केजरीवाल

नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुभवी चोर वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक संकेत है कि प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है कि कथित शराब घोटाला फर्जी है। केजरीवाल ने इस मामले में गिरफ्तार सभी लोगों को रिहा करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि भाजपा चिल्ला रही है कि 100 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है लेकिन अभी तक कोई पैसा बरामद नहीं हुआ है। केजरीवाल ने कहा कि वे (भाजपा) पिछले दो साल से शोर मचा रहे हैं कि दिल्ली में शराब घोटाला हुआ है। उन्होंने मुझे, संजय सिंह, मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया। देशभर में 500 से ज्यादा छापे मारे गए। केजरीवाल ने कहा कि वे (भाजपा) कहते हैं कि मैंने सौ करोड़ रुपये की रिश्वत ली है। अभी थोड़े दिन पहले बोले कि 1100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में बड़ा प्रश्न है कि जब रिश्वत ली गई तो वह पैसा कहीं रखा भी तो गया होगा। देशभर में 500 से ज्यादा छापे मारे लिए लेकिन इन्हें एक पैसा भी बरामद नहीं हुआ। हमने कहीं खर्च तो किया होगा इन्हें कहीं खर्चे का हिसाब-किताब भी नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल इस मामले में एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। केजरीवाल के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को कथित शराब घोटाला मामले में एक पैसा भी नहीं मिला और उन्होंने झूठा मामला बनाया, प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लएक अनुभवी चोर के पास कई सुविधाएं होती हैं। एक पूर्व सरकारी अधिकारी जो जानता है कि किसी मामले में ईडी और सीबीआई कैसे आगे बढ़ेंगी, वह बहुत कुछ छिपा सकता है।' उन्होंने कहा कि कल एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री से पूछा गया कि केजरीवाल कह रहे हैं कि मामले में कोई सबूत नहीं मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई पैसा नहीं मिला क्योंकि केजरीवाल एक अनुभवी चोर हैं। उन्होंने कहा कि यह गलत गिरफ्तारियों को सही साबित करने का एक बहाना है। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने (प्रधानमंत्री) स्वीकार किया कि कोई बरामदगी नहीं हुई है।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस में एनआईए ने एक और आतंकी को दबोचा, मामले में 5वीं गिरफ्तारी

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक मार्च को बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले में पकड़ा जाने वाला यह पांचवां आरोपी है। एजेंसी ने एक बयान में कहा, कर्नाटक के हुबली शहर के रहने वाले 35 साल के शोएब अहमद मिर्जा उर्फ छोटू को पहले लश्कर-ए-तैयबा के द्वारा आतंकी साजिश केस में दोषी ठहराया गया था।

आतंकी साजिश केस में पूर्व दोषी रहा है आरोपी

बयान में आगे कहा गया है, "रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में चार

राज्यों में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई, इसके तीन दिन बाद एनआईए ने शुक्रवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान लश्कर-ए-तैयबा द्वारा आतंकी साजिश केस में पूर्व दोषी के रूप में की गई है।" एनआईए की जांच में सामने आया है कि शोएब अहमद मिर्जा जेल से छूटने के बाद इस नई साजिश (रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट) में शामिल हो गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि साल 2018 में शोएब ने आरोपी अब्दुल मथीन ताहा से दोस्ती की और उसे विदेश में रहने वाले एक संदिग्ध ऑनलाइन हैंडलर से मिलवाया। एजेंसी ने आगे बयान में कहा है कि मिर्जा ने हैंडलर और अब्दुल मथीन ताहा के बीच एन्क्रिप्टेड संचार के लिए एक ई-मेल आईडी भी बनाकर दी, जिसे 12 अप्रैल को सह-आरोपी मुसाविर हुसैन शाजिब के साथ कोलकाता में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया गया था।

नाबालिग के पिता समेत छह आरोपी 7 जून तक न्यायिक हिरासत में, पुलिस ने एफआईआर में जोड़ी नई धाराएं

पुणे

पुणे की एक विशेष अदालत ने कार दुर्घटना मामले में छह आरोपियों को 7 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। हिरासत में भेजे गए लोगों में आरोपी नाबालिग के पिता भी हैं। पुणे पुलिस ने इस मामले की एफआईआर में आरोपी के पिता, बार के मालिक और मैनेजर के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और महाराष्ट्र प्रतिबंधित कानून की धारा 65 (ई) और 18 को भी जोड़ दिया है। इस मामले में पुलिस जांच पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच एक

अधिकारी ने बताया कि नाबालिग आरोपी के खिलाफ खून की रिपोर्ट के अलावा और भी कई सबूत हैं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक की जांच में ये बात भी निकलकर सामने आ रही है कि आरोपी के पिता ने इस दुर्घटना के बाद अपने बेटे की जगह ड्राइवर बदलने की कोशिश की थी।

हमारे पास सीसीटीवी फुटेज

पुणे सीपी अमितेश कुमार ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास सीसीटीवी फुटेज हैं, जिसमें नाबालिग शराब पीता हुआ दिख रहा है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस मामले में हमारे पास सिर्फ रक्त रिपोर्ट ही नहीं बल्कि और भी कई सबूत हैं। नाबालिग अपने होश में था। ऐसा नहीं था कि वह लोग इतने नशे में थे कि उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। उन्हें इस बात की पूरी जानकारी थी कि उनके आचरण के कारण धारा 304 कैब जैसी घटना हो सकती है। थाने में पिज्जा पार्टी के मामले में कोई सबूत नहीं है।'

अगर सीमाएं सुरक्षित रहतीं तो और तेजी से प्रगति करता भारत: डोभाल

नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा कि पिछले 10 सालों में देश तेजी से सशक्त हुआ है। हालांकि, अगर हमारे देश की सीमाएं अधिक सुरक्षित, सुरचित और प्रतिकूल कब्जेवाली नहीं होतीं, तो भारत ने अधिक रफ्तार से प्रगति की होती। उन्होंने कहा, "जमीन पर जो कब्जा है वही अपना है, बाकी तो सब अदालत और कचहरी का काम है। उससे फर्क नहीं पड़ता।" 21वें अलंकरण समारोह में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से आयोजित रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में शुक्रवार को एनएसए डोभाल ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति अधिक रफ्तार पकड़ती अगर देश की सीमाएं अधिक सुरक्षित रहतीं। निकट भविष्य में हमें नहीं लगता कि हमारी सीमाएं इतनी सुरक्षित हो जाएंगी कि हम तेजी से आर्थिक विकास कर सकें। इसलिए सीमाओं पर तैनात सैन्य बलों के कंधों पर अत्यधिक भार आ गया है। उन्हें हमेशा 2437 सतर्क रहना पड़ता है। उन्हें हर वक्त हमारे राष्ट्रीय हितों और देश की सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। देश की सीमाएं अत्यधिक महत्वपूर्ण इसलिए हैं, क्योंकि वह

हमारी संप्रभुता को परिभाषित करती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भारत सरकार ने सीमाओं की सुरक्षा पर बहुत ध्यान दिया है। इसी अवधि में हमारी राष्ट्रीय ताकत बढ़ी है। भारत बहुत तेजी से बदल रहा है। अगले दस सालों में हम 10 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी हो जाएंगे। साथ ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, जोकि बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि भारत के पास सबसे बड़ा कार्यबल है। इसके साथ ही उच्च तकनीक के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टरों, क्वांटम कंप्यूटिंग और रक्षा व सुरक्षा निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के पास हब होगा। इस बदलते भारत में समृद्धि कुछ हद तक सुरक्षा की भी गारंटी बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने इसी साल 31 मार्च तक 2.5 अरब डॉलर के हथियारों को निर्यात किया है।

ईडी ने दिल्ली हाई कोर्ट में के. कविता की जमानत याचिका का किया विरोध

नई दिल्ली

ईडी ने दिल्ली आबकारी घोटाला के मनी लॉड्रिंग मामले में बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका का विरोध किया है। ईडी ने के. कविता की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल अपने जवाबी हलफनामे में कहा है कि जमानत पर रिहा होने की स्थिति में आगे की जांच पर गंभीर असर पड़

सकता है। जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 27 मई को होगी। के. कविता ने सीबीआई और ईडी दोनों के मामले में जमानत याचिका दायर की है। इस पर हाई कोर्ट ने ईडी के मामले में 10 मई को, जबकि सीबीआई के मामले में 16 मई को नोटिस जारी किया था। ईडी ने कहा है कि के. कविता तेलंगाना की काफी प्रभावशाली महिला हैं और उन्होंने काफी गंभीर अपराध किया है। वे गवाहों को प्रभावित करने के साथ ही साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर सकती हैं।

हेमकुंड साहिब यात्रा: श्रद्धालुओं का पहला जत्था रवाना

चमोली/जोशीमठ

पवित्र हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए शुक्रवार को गुरुद्वारा गोविंदघाट से पंच प्यारों की अगुवाई में श्रद्धालुओं का पहला जत्था रवाना हुआ। गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह और बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने जत्थे को रवाना किया। प्रस्थान से पहले गोविन्द घाट गुरुद्वारा दरबार हॉल में श्री अखण्ड पाठ, कीर्तन-शबद कर गुरु चरणों में अरदास की गई हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को सुबह 9.30 बजे खोले जाएंगे। श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग पर विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए सुरक्षा के दृष्टिगत शुरूआती दिनों में प्रतिदिन 3500 श्रद्धालुओं की सीमा भी निर्धारित की गई है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस होगा दूरदर्शन, देश के किसानों को बड़ा तोहफा

दूरदर्शन किसान 26 मई को दो एआई एंकर को करेगा लॉन्च, दोनों देश-विदेश की 50 भाषाओं में बातचीत करने में सक्षम

नई दिल्ली

दूरदर्शन 26 मई को एक और उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। नौ साल की अपार सफलता के बाद डीडी किसान 26 मई को नए रंग-रूप और नए अंदाज में देश के किसानों के बीच आ रहा है। यह जानकारी आज केंद्र सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में दी गई है। यह बदलाव देश के किसानों को सबसे बड़ा तोहफा होगा। पीआईबी की विज्ञप्ति के

अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस युग में यह देश का पहला सरकारी टीवी चैनल बनने जा रहा है जहां एआई एंकर पर सभी की निगाहें रहेंगी। दूरदर्शन किसान दो एआई एंकर एआई कृष और एआई भूमि लॉन्च करने जा रहा है। दोनों न्यूज एंकर एक कंप्यूटर हैं, जो हूबहू इंसान की तरह ही हैं और इंसानों की तरह ही काम कर सकते/सकती हैं। यह एंकर बिना रुके या फिर बिना थके 24 घंटे और 365 दिन न्यूज पढ़ सकते हैं। किसान दर्शक इन्हें कश्मीर से तमिलनाडु और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक देश के सभी राज्यों में देख पाएंगे। ये एआई एंकर देश-विदेश में हो रहे कृषि अनुसंधान, अनाज मंडियों में हो रही उठापटक या फिर मौसम की फेरबदल, हर आवश्यक जानकारी किसानों तक पहुंचाएंगे। इन एंकर की एक खास बात यह भी है कि ये देश-विदेश की पचास भाषाओं में बात कर सकते हैं।

डीडी किसान का मुख्य मकसद: डीडी किसान देश का एक मात्र टीवी चैनल है, जिसकी स्थापना भारत सरकार ने किसानों के लिए की गई। इस चैनल की स्थापना 26 मई 2015 को की गई थी।

डीडी किसान चैनल की स्थापना का उद्देश्य था कि वह हमेशा सजग रहते हुए मौसम, वैश्विक बाजारों इत्यादि में होने वाले बदलावों से किसानों को अवगत कराता रहे, ताकि किसान पहले से ही उपयुक्त योजनाएं बना सकें और समय पर सही निर्णय ले सकें। डीडी किसान चैनल 9 साल से इन मापदंडों पर खरा उतर रहा है। डीडी किसान चैनल प्रगतिशील किसानों के प्रयासों को सभी लोगों के सामने लाने का काम भी कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश में कृषि और ग्रामीण समुदाय की सेवा करना तथा उन्हें शिक्षित कर समग्र विकास का वातावरण बनाने की दिशा में काम करना है। डीडी किसान चैनल कृषि की त्रिआयामी अवधारणा जिसमें संतुलित खेती, पशुपालन और वृक्षारोपण शामिल हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

जांच में जुटी पुलिस, परिजनों में मचा रहा कोहराम

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी औद्योगिक क्षेत्र के बजहा गांव में शुक्रवार को एक 20 वर्षीय मजदूर का शव आम के बाग में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिए। वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के बजहा गांव के रहने वाले कई लोग तड़के सुबह शौच आदि करने के लिए गांव के समीप ही आम के बाग की ओर गए हुए थे। तभी उन्होंने देखा कि बाग में स्थित एक आम के पेड़ पर साड़ी की मदद से एक युवक फांसी के फंदे पर झूल रहा है। जिससे वहां पर भारी हड़कंप मच गया और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे नीचे उतरा गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। जांच पड़ताल के दौरान कुछ दूरी पर साइकिल बरामद हुआ और तलाशी के दौरान मोबाइल फोन मिलाने पर उसकी पहचान हो पाई। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन कई लोगों के साथ घटित घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान करछना थाना क्षेत्र के जोकनई गांव निवासी नीरज प्रजापति (20) पुत्र रामधनी प्रजापति के रूप में करते हुए दहाड़ मार कर रोने बिलखने लगे। मृतक पांच भाइयों व दो बहनों में चौथे नंबर पर था। मृतक के छोटे भाई सूरज प्रजापति ने बताया कि वह बीते कई दिनों से रौंहा ग्राम प्रधान के यहां मजदूरी का कार्य करता था। गुरुवार को वह काम पर नहीं गया था। दोपहर बाद लगभग 3:00 बजे वह घर से बिना बताए साइकिल द्वारा चला गया। इधर देर शाम तक जब वह घर पर नहीं पहुंचा तो परिजनों उसके मोबाइल फोन पर संपर्क किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो पाया। जबकि घटनास्थल से करीब एक किलो मीटर दूरी पर उसके बड़े भाई का ससुराल भी है। नीरज की मौत कैसे हुई और वह किन परिस्थितियों में यहां पर पहुंचा और वह साड़ी कहां से उसे मिला की फांसी का फंदा लगा लिया। नीरज की मौत एक रहस्य बना हुआ है। हालांकि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी कि उसकी मौत कैसे हुई है। जबकि परिजन किसी से भी रंजिश आदि होने की बात से साफ इनकार किए हैं। हालांकि फौरी तौर पर फांसी ही प्रतीक हो रही है। फिर भी पुलिस के साथ ही सूचना मिलने पर फॉरेंसिक विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बारीकियों से जांच पड़ताल की। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिए।

गंगा स्नान के दौरान गहरे पानी में हुबने से युवक की मौत,परिवार और गांव में मचा कोहराम

घटना करछना थाना क्षेत्र के डीहा गंगा घाट की

प्रयागराज। घटना करछना थाना क्षेत्र के डीहा गंगा घाटपर स्नान करने गया एक युवक गहरे पानी में समा गया। जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। युवक के ड्रब जाने से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई मिली जानकारी के अनुसार करछना थाना क्षेत्र के सेमरहा गांव निवासी देवेश कुमार तिवारी (18) पुत्र रमेश तिवारी शुक्रवार को गंगा स्नान के लिए डीहा गंगा घाट पर गया था। स्नान के दौरान देवेश गहरे पानी में समा गया। जिससे डबने से उसकी मौत होगई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस और गोताखोर मौके परपहुंचे। गोताखोरों ने घंटों मशक्कत कर देवेश के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छठे चरण के मतदान को देखते हुए बिजली विभाग ने बनाया कंट्रोल रूम

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव में छठे चरण के मतदान को देखते हुए मुख्य अभियंता पीके सिंह ने शहरी क्षेत्र में बिजली व्यवस्था चुस्त- दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने खंड और उपखंडों को जारी निर्देश में कहा है कि किसी प्रकार की बिजली कटौती नहीं की जाएगी। बिजली आपूर्ति की निगरानी के लिए टीमें लगाई जाएं। उन्होंने कहा कि बिजली संबंधी समस्या पर कंट्रोल रूम के टेलीफोन नंबर 0532-2404030, व्हाट्सएप नंबर 9450963774 व हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज की जा सकती है।

एयू प्रोफेसर की सेवा समाप्ति को हाई कोर्ट ने बताया अवैध

अखंड भारत संदेश

प्रोवेशन पीरियड पूरा करने और काम शुरू करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग के सहायक अध्यापक डॉ. राघवेन्द्र मिश्र की सेवा समाप्ति आदेश को अवैध करार देते हुए रद कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा है कि कार्यकारिणी परिषद ने विहित प्रक्रिया व कानून का पालन नहीं किया। बिना सत्य का पता किए केवल शिकायत पर एक वर्ष प्रोवेशन पीरियड बढ़ाने के बावजूद उससे पहले ही सर्वसम्मति से सेवा से हटा दिया।

कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए याची को प्रोवेशन पीरियड पूरा करने देने व सहायक प्रोफेसर पद का काम करने देने का विश्वविद्यालय को निर्देश दिया है और कहा है कि याची अपने विरूद्ध चल रहे आपराधिक केस का पूरा विवरण देगा। जिस पर कार्यकारिणी परिषद नियुक्ति कंफर्म करने पर विचार करेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने कानूनी एवं प्रक्रियात्मक उपबंधो पर विचार करते हुए दिया है।मालूम हो कि याची सहायक प्रोफेसर पद पर चयनित हुआ और कार्यभार ग्रहण किया।उसे एक साल के प्रोवेशन पर नियुक्ति दी गई। आवेदन में याची ने लिखा था कि एक आपराधिक केस लंबित है। छात्र राजनीति के कारण किंतु केस का ब्योरा नहीं दिया। परिषद ने सभी नवनियुक्त सहायक प्रोफेसरों का प्रोवेशन पीरियड एक साल के लिए 8 अगस्त 23 को बढ़ा दिया। किंतु 15 सितंबर की बैठक में कार्यकारिणी परिषद ने अध्यक्ष की अनुमति से याची व एक अन्य की सेवा समाप्ति का प्रस्ताव पारित किया। एक माह का वेतन देकर हटा दिया गया। जिसकी वैधता को चुनौती दी गई थी।

25 मई को सभी मतदाता गण राष्ट्रहित के लिए मतदान अवश्य करे : समाजसेवी सुधीर शर्मा

नैनी। नैनी चक रघुनाथ में समाजसेवी सुधीर शर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष अरवल बिहार ने अपने निवास स्थान पर अपने समर्थकों के साथ बैठक कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने की चर्चा किया। समाजसेवी सुधीर शर्मा ने कहा कि सभी नैनी शहरवासियों व नगर वासियो से निवेदन और अनुरोध करता हूँ कि 25 मई को सभी मतदाता गण अपने मत का राष्ट्रहित के लिए प्रयोग अवश्य करे। मतदान करना आपका मौलिक अधिकार है। समाजसेवी मंटू सिंह ने कहा कि पहले मतदान राष्ट हित के लिए फिर जलपान। अंशु सिंह बीरचन्द्र यादव राजेश साहू वंश नारायण पांडे विनोद केसरवानी विनय सिंह मोनू सिंह राहुल सिंह डॉक्टर संदीप अतुल केसरवानी टुनटुन पांडे कुलदीप शर्मा विपिन प्रताप सिंह सुभाष गुप्ता मुनीम जी मौजूद थे।

लालापुर पुलिस मतदान को लेकर मुस्तेद

प्रयागराज। लालापुर पुलिस ने शुक्रवार को होने वाले लोकसभा चुनाव को स कुशल सम्पन्न कराने के लिए क्षेत्र के अति सवेदनशील, व सवेदनशील पोलिग बूथ का ए सी पी बारा संतलाल सरोज ने सुरक्षा का जायजा लिया।क्षेत्र की पोलिग बूथ पर केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे।ए सी पी बारा संतलाल सरोज ने बताया सभी लोग भय मुक्त होकर मतदान करे,किसी प्रकार की अराजकता स्वीकार नही की जाएगी,चाहे कितना भी प्रभावशाली ब्यक्ति क्यो न हो शांति पूर्वक मतदान करे।थानाध्यक्ष अजय मिश्रा का कहना है क्षेत्र के सभी पोलिग वूथ पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। सभी मतदाता निष्पक्ष,व निडर होकर मतदान करें, मतदान केंद्र पर किसी प्रकार की अराजकता बर्दास्त नही की जाएगी तनिक भी सूचना मिलने पर सख्त से सख्त बिधिक कार्यवाई की जाएगी।

विकास के मुद्दों से कोसों दूर धर्म व जाति की राजनीति में उलझी इलाहाबाद संसदीय सीट की सियासत

संतोष यादव

करछना,प्रयागराज। इलाहाबाद संसदीय लोकसभा 52 की सीट की सियासत अब चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में ध्रुवीकरण पर आकर टिक गई है।भाजपा कार्यकर्ता एक तरफ जहां राम मंदिर एवं हिंदू-मुस्लिम और श्रीराम मंदिर के नाम पार मतदाताओं को सहेजने की कोशिश में लगे है,वहीं गठबंधन प्रत्याशी शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार,नैनी में बंद उद्योगों को चालू करने के वादे के दम पर यमुनापार में सभी जातियों को एकजुट कर मतों को सहेजने का पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। हालांकि इलाहाबाद संसदीय सीट में भाजपा आलाकमान द्वारा नीरज त्रिपाठी के नाम की घोषणा होने के पूर्व दो दर्जन से अधिक कार्यकताओं ने टिकट के लिए आवेदन किया था,लेकिन टिकट की घोषणा होते ही बड़े नेताओं द्वारा अंदर ही अंदर भितरघात की सुगबुगाहट सुरु हो गयी।कुछ बड़े नेताओं के भितरघात से भी भाजपा प्रत्याशी को कड़ी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ सकता है।,भाजपा और गठबंधन दोनों ही प्रत्याशियो द्वारा क्षेत्र में पूरा दम लगा दिया गया है।2024 का चुनाव विकास के मुद्दे से हटकर धर्म और जाति में उलझ कर रह गया है।पिछले 2022 के विधानसभा चुनाव में पांच में चार विधानसभा में जीत-हार का अंतर महज पांच से दस हजार वोटों से तय हुई थी। इस बार इलाहबाद संसदीय सीट के चुनाव में बसपा चुनाव से एकदम बाहर दिख रही है। विकास, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य के मुद्दे मतदान की तारीख नजदीक आते-आते गायब होते नजर आ रहे हैं और सारे प्रत्याशी धर्म और जाति की राजनीति कर वोटों का ध्रुवीकरण करने में जुटे हैं।भाजपा ने पूर्व राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी के पुत्र नीरज त्रिपाठी को मैदान में उतारा है,जिनका राजनीतिक अनुभव न के बराबर है वहीं दूसरी ओर गठबंधन प्रत्याशी के रूप में आठ बार विधायक दो बार लोकसभा सांसद और एक बार राज्य सभा सांसद रह चुके कुँवर रेवती रमन सिंह के पुत्र 2 बार विधायक और मंत्री रह चुके उज्ज्वल रमन सिंह को मैदान में उतारकर चुनाव को बड़ा ही दिलचस्प बना दिया है। इलाहाबाद संसदीय सीट की सियासत में जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा,इसका आंकलन करना बेहद ही कठिन है, यह चार जून को ही पता चलेगा।

क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं

- प्रमुख संपर्क मार्गों की बदहाली
- उद्योग
- रोजगार का अभाव
- बंद मिलों को दुबारा चालू कराना
- चिकित्सा

कुल मतदाता-लगभग 1800000

ब्राह्मण-350000
भूमिहार-100000
एससी-350000
ठाकुर-60000
यादव-225000
मुस्लिम-175000
वैश्य-100000
कायस्थ-50000
पाल-60000
कुशवाहा-80000
(अनुमानित)

तेज रफ्तार अनियंत्रित रोडवेज बस की टक्कर से दो बाइक सवार युवक घायल

मौके पर रास्ता अवरुद्ध कर रहे उग्र लोगों ने पुलिस से बवाल करते हुए किया पत्थरबाजी दो को पुलिस ने भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

मेजा। तेज रफ्तार अनियंत्रित रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मेजारोड चौकी पुलिस दोनों घायलों को अस्पताल भिजवा दिया।

उल्लेखनीय है कि करछना थाना क्षेत्र के बीरपुर गांव निवासी गोरेलाल पटेल (33) तथा कर्ण पटेल (19) चंद्र भान सिंह का पूरा शुक्रवार को बाइक से मेजा रोड शादी की सामग्री खरीदारी करने के लिए जा रहे थे जैसे ही दोनों बाइक सवार राष्ट्रीय राजमार्ग 76 के मेजारोड फ्लाईओवर ब्रिज पर चढ़े ही थे कि चुनावी ड्यूटी में होमगार्डो को ले जा रही औरैया परिवहन विभाग की बस अनियंत्रित होकर बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी मेजा रोड अरविंद सोनकर,कांस्टेबल विकास शर्मा, प्रियांशु आनन फानन में मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को हॉस्पिटल भिजवाते हुए रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया। किन्तु वहां मौजूद लोग रोडवेज बस को न हटने की जिद पर अड़े रहे। जिसकी जानकारी प्रभारी निरीक्षक मेजा राजेश उपाध्याय को दी गई गौरतलब है कि थाना प्रभारी मेजा पूरी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और उग्र भीड़ से मान मनौव्वल करते हुए रास्ता जाम न करने की नसीहत देते रहे। लेकिन उग्र लोग पुलिस से ही उलझ गए और नौबत हाथापाई की आ गई। इस दौरान उग्र लोग रेलवे ट्रैक पर पहुंच कर पुलिस पर पत्थर बाजी करने लगे।अंततः पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुए तीन-चार लोगों को गिरफ्तार कर बस को थाने ले आए जिसमें दो लोगों के विरुद्ध मेजा पुलिस कार्यवाही करते हुए केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

नैनी शिवनगर में चोरों ने बंद मकान को बनाया निशाना

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र के देवरख रोड के समीप शिवनगर मोहल्ले के गली नंबर तीन निवासी कुंवर सिंह अपनी पत्नी शांति देवी का इलाज कराने हेतु कानपुर स्थित अपनी बेटी के घर पर मकान में ताला बंद कर इन दिनों गए हुए हैं। शुक्रवार सुबह जब पड़ोसी सोकर उठे तो बंद मकान का ताला टूटा देख दंग रह गए। वह मोबाइल फोन के द्वारा भुक्तभोगी परिजन सहित उनके नैनी में रहने वाले रिश्तेदारों को सूचना दी। बताया जाता है कि चोर मौका पाते ही बीती रात बंद मकान का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए। आशंका जताई जा रही है कि चोर नकदी सहित व अन्य सामानों पर हाथ साफ कर फरार हो गए। हालांकि चोर किन-किन सामानों पर हाथ साफ कर फरार हुए हैं। यह तो पीड़ित परिवार के आने के बाद ही पूरी तरह से जानकारी हो पाएगी। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटित वारदात की जांच पड़ताल की।

आज से बढ़ेगी गर्मी,मौसम विज्ञानी बोले-गर्मी के साथ उमस करेगी परेशान

प्रयागराज। प्रयागराज में आज (25 मई) से गर्मी और बढ़ेगी। धूप और भीषण गर्मी के साथ साथ उमस भी होगी जिससे लोग का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। आज से नौतपा शुरू होने से लोग गर्मी से बेहाल दिखेंगे। तापमान में भी वृद्धि होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, हीट वेव (लू) का असर सीधे शरीर पर पड़ेगा। चिकित्सक भी सलाह दे रहे हैं कि घर से तभी निकलें जब बहुत जरूरी हो। आज मतदान होने के कारण बड़ी संख्या में लोग बाहर निकलेंगे लेकिन प्रयास करें कि घर से बाहर निकलने पर छाता से या गमछे से पूरा शरीर कवर कर लें ताकि धूप से बचा सके।शुक्रवार को भी अधिकतम तापमाम 42-43 डिग्री सेल्सियस रहा, आज इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस वृद्धि होगी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व मौसम विज्ञानी शैलेंद्र राय बताते हैं कि आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवात मध्य भारत में आने वाला है। इस बार बारिश भी खूब होने की संभावना है।

शरीर में न होने पाए पानी की कमी :

मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल के फिजिशियन डॉ. केके मिश्रा बताते हैं कि इस गर्मी और तेज धूप में पानी की कमी शरीर में न होने पाए। बीच-बीच में पानी जरूर पीएं, जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें।

जिलाधिकारी नवनीत कुमार चहल की ओर से गर्मी और लू से बचाव से संबंधित सुझाव भी जारी किए हैं। उनकी ओर से अपील की गई है कि भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू से अपना बचाव करें। गर्म हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्यूमीनियम की पन्नी, गत्ते से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अंदर आने से रोका जा सके। खिड़कियों और दरवाजों पर जहां से गर्म हवाएं आती हैं वहां काले परदे लगाकर रखना चाहिए। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें।

सबसे पहले मतदान फिर जलपान : डॉ अमित

सहसों। हरि ओम हॉस्पिटल सहसों बाईपास पर शुक्रवार को मतदाता जागरुकता गोष्ठी आयोजित किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ अमित यादव ने लोगों में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का यह परम कर्तव्य है कि अपने मत का समय से प्रयोग करें। उन्होंने लोगों को जागरुक करते हुए कहा पहले मतदान करें फिर जलपान। लोकतंत्र के इस महापर्व पर मतदान करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा प्रत्येक मतदाता का परम कर्तव्य है कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जिम्मेदारी को निभाएं। इस मौके पर डॉक्टर ए.के. मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व होता है तथा प्रत्येक व्यक्ति अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। राष्ट्र को आगे ले जाने एवं नवनिर्माण में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा देश हित में एक अच्छी योग्य सरकार के लिए अपने मत का प्रयोग करते हुए अपनी अहम भूमिका निभाएं। इस अवसर पर नीरज पांडे, राजेश कुमार, जय सिंह, शिवम पाल, पिंटू , पंकज, सोहनलाल केसरवानी एवं अजय सहित आदि लोग जागरूक होते हुए गोष्ठी में उपस्थित रहे।

महिला के साथ दुराचार की कोशिश मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। खेत गयी महिला के साथ एक युवक महिला के साथ दुराचार की कोशिश किया। महिला ने मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सकरामऊ निवासनीय एक महिला का आरोप है कि वह खेत पर गयी थी ?आरोप है कि गांव का एक युवक उसको जमीन में पटख कर दुराचार की कोशिश किया। विरोध करने पर मारा पीटा तथा बोलने पर जान से मारने की धमकी दी।शोर मचाने पर युवक ने उसे मार पीट कर भाग गया। महिला ने मऊआइमा थाने में गांव के मान सिंह पुत्र राम बहादुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

श्री संस्कार वाटिका न्यास के सफलतम चार वर्ष पूर्ण होने पर एक कन्या की शादी कराई

सामाजिक संगठन गरीब कन्या की शादी आगे भी करवाती रहेगी, मुख्य संरक्षक अर्पित तिवारी

नैनी। नैनी श्री संस्कार वाटिका न्यास एक सामाजिक संगठन है जो निःशुल्क छात्र-छात्राओं को शिक्षा देने का काम करती है। संस्था इस मई के महीने में अपनी चौथी वर्षगांठ मना रहा है। उक्त अवसर पर संस्था में पढ़ रही बच्ची नंदिनी जो अशोक नगर की रहने वाली है जिसके पिता आधे शरीर से दिव्यांग हैं और माता जी का असमय निधन हो चुका है उस बेसहारा लड़की के अभिभावक बन कर शांतिपुरम के निवासी अभयराज के साथ विवाह संपन्न कराया गया संस्था के अध्यक्ष अभिनव शर्मा ने कहा मेरे लिए यह भावुकता का क्षण है। आगे और सुंदर स्वरूप देने का प्रयास करना है। संस्था के मुख्य संरक्षक अर्पित तिवारी का कहना है कि संस्था में पढ़ रही बेटी की विदाई में कभी बाधा नहीं आने दी जाएगी। संरक्षण मंडलः वाशुदेव ओझा, आदित्य प्रताप मिश्रा, अभिषेक मिश्र, मृत्युंजय राव परमार, संदीप कुमार, अभिषेक आर्या, पंकज वर्मा सहित संस्था के समस्त छात्र-छात्राएं ग्राम वासियों के बीच बिटिया के सुख सुविधा के सारे सामान देकर विदा किया गया।

अरैल क्षेत्र में भाजपा नेता के निवास पर चुनाव की चर्चा हुई

नैनी। नैनी अरैल देवरख रोड शिव नगर में वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील शुक्ला के निवास पर बैठकर चुनावी चर्चा और पर्ची वितरण का कार्य किया गया इस अवसर पर भाजपा नेता सुशील शुक्ला वार्ड 81 के वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव , भाजपा नेता पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव, राज सिंह, सुधीर प्रजापति, दिलीप मिश्रा राका, राकेश कुमार, सुनील कुशवाहा, प्रदीप कुमार तिवारी, उमेश सेन, शशांक पाण्डेय, रितेश शुक्ला बाबा, नीरज शर्मा, सुनील विश्वकर्मा आदि भाजपा पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 : इलाहाबाद और फूलपुर में वोटिंग आज

चार केंद्रों से रवाना हुई पोलिंग पार्टियां बनाए गए हैं 2241 मतदान केंद्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद और फूलपुर संसदीय सीटों पर आज यानी 25 मई को मतदान होना है। इसके लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शुक्रवार को पोलिंग पार्टियां मतदान कराने के लिए ईवीएम तथा अन्य दस्तावेज लेकर रवाना हो गई। इसके लिए शहर में चार केंद्र बनाए गए हैं, यहीं से मतदान कार्मिक अपने-अपने मतदान स्थल पर पहुंच जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी नवनीत सिंह चहल ने संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय कर दी है। परेड ग्राउंड, केपी इंटर कॉलेज, तपकैंपस व नार्दर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैदान से पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। सबसे ज्यादा भीड़ परेड ग्राउंड से होगी क्योंकि यहां से पांच विधानसभा क्षेत्रों में लगे मतदान कार्मिक रवाना हो गए।परेड ग्राउंड से मेजा करछना, बारा, कोरांव, प्रतापपुर और हंडिया, केपी कॉलेज से इलाहाबाद पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी एमएनएनआईटी से फाफामऊ और सोरांव तथा नार्दर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैदान से फूलपुर में लगे मतदान कार्मिक रवाना होंगे।

मतदाता पहचान पत्र नहीं तो इन्हें दिखाकर कर सकेंगे वोटिंग

मतदाता पहचान पत्र नहीं है तो 12 अन्य तरह के पहचान पत्र में से कोई एक को दिखाकर वोट डाला जा सकेगा। ये पहचान पत्र आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त बैंक पासबुक, श्रम विभाग की ओर से जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, डीएल, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई की ओर से जारी स्मार्ट कार्ड, पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों की ओर से जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र, यूडीआईडी कार्ड, सांसद-विधायकों के पहचान हैं।

बाईपास होकर कानपुर से आएंगी-जाएंगी रोडवेज बसें, धूमनगंज में दोपहर बाद से डायवर्जन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मतदान के बाद मुंडेरा मंडी में ईवीएम जमा कराए जाने के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए धूमनगंज में दोपहर बाद डायवर्जन लागू किया गया है। इसके तहत कानपुर से आने और जाने वाले वाहन कोखराज बाईपास होकर आवागमन करेंगे। इनमें रोडवेज बसें भी शामिल हैं।मतदान के बाद शनिवार को शाम छह बजे से मुंडेरा मंडी समिति धूमनगंज में ईवीएम जमा कराई जाएंगी। इसे देखते हुए मंडी समिति के पास समस्त प्रकार के रोडवेज बस/इलेक्ट्रॉनिक बस/सिटी बस एवं भारी वाहन/पासधारक वाहन/ हल्के वाहन / समस्त प्रकार के चार पहिया वाहन इत्यादि का आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही सभी प्रकार के वाहनों का डायवर्जन दोपहर तीन बजे से ईवीएम जमा कराए जाने तक किया जाएगा। यह डायवर्जन निम्न प्रकार से है।शहर की ओर से मंडी समिति मुंडेरा बाजार व कानपुर रोड की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को हाईकोर्ट पानी टंकी चौराहा से डायवर्ट कर जोगीवीर, लूकरगंज, चकिया, राजरूपपुर, झलवा, कटहुला मोड़ से एयरपोर्ट होते हुए थाना पिपरी के सामने से होते हुए पुरामुफ्ती से गंतव्य की ओर भेजा जाएगा।फतेहपुर एवं कानपुर की ओर जाने वाली रोडवेज बसें, इलेक्ट्रॉनिक बसें सिविल लाइंस रोडवेज बस स्टेशन से लोकसेवा आयोग चौराहा, फाफामऊ, नबाबगंज बाईपास से कोखराज होकर जाएंगी।कानपुर, फतेहपुर से प्रयागराज शहर की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों का डायवर्जन कोखराज से होगा, जो कोखराज से नबाबगंज बाईपास, फाफामऊ होकर शहर आएंगे।

डीजल, पेट्रोल, गैस टैकरों व नो इन्ट्री पासधारक समस्त प्रकार के वाहनों/ट्रको का आवागमन दोपहर तीन बजे से ईवीएम जमा होने तक शहर क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेगा। डीजल, पेट्रोल, गैस टैकरों का आवागमन इंडिय ऑयल प्लांट झलवा, कटहुला मोड से एयरपोर्ट होते हुए थाना पिपरी के सामने से होकर कराया जाएगा ।

मतदान केंद्रों पर प्राथमिक उपचार को तैनात रहेगी टीम

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी तैयारी की गई है। मतदान केन्द्रों पर पैरामेडिकल की टीम प्राथमिक उपचार के लिए तैनात रहेगी। मतदान केंद्र के पास की रहने वाली आशा और एएनएम की भी तैनाती की गई है।स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश पांडेय के अनुसार अप्रिय स्थिति में उपचार के लिए बाहर भेजने के लिए बमरौली एयरपोर्ट पर एक एयर एंबुलेंस शनिवार सुबह से शाम तक मौजूद रहेगी। एयर एंबुलेंस की व्यवस्था निर्वाचन आर लेख की ओर से की गई है। साथ ही भगवतपुर स्थित 100 बेड अस्पताल में 24 डॉक्टरों की ड्यूटी आठ-आठ घंटे के लिए लगाई गई है।मुंडेरा मंडी में पंडाल में चार डॉक्टरों की टीम पैरामेडिकल स्टाफ के साथ मौजूद रहेगी। शुक्रवार को मतदान ड्यूटी के रवानगी स्थल पर भी डॉक्टरों की टीम पैरामेडिकल स्टाफ के साथ मौजूद थी। सीएमओ डॉ. आशु पांडेय के निर्देश पर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण व शहरी हेल्थ वेलनेस सेंटर पर डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टफ के मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। सभी सीएचसी और पीएचसी पर एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी। सूचना मिलने पर संबंधित व्यक्ति को निःशुल्क उपचार के लिए एंबुलेंस से अस्पताल लाया जाएगा।

अंदर पैरामिलिट्री, इंट्री प्वाइंट पर पीएसी तो बाहर होगा पुलिस का पहरा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को मतदान त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में कराया जाएगा। केंद्रों के भीतर पैरामिलिट्री तैनात रहेगी तो प्रवेश द्वारों पर पीएसी के जवान मुस्तैद किए जाएंगे। बाहर पुलिस का पहरा होगा। मतदान केंद्रों के भीतर ही नहीं, बल्कि आसपास की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए लाइव मॉनिटरिंग भी की जाएगी।चुनाव ड्यूटी के लिए मतदान केंद्रों पर शाम तक सुरक्षा में तैनात फोर्स पहुंच गई। इसमें पुलिस व पैरामिलिट्री के साथ ही पीएसी भी शामिल है। प्रत्येक मतदान केंद्रों के भीतर पैरामिलिट्री के जवान सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। पैरामिलिट्री में बीएसएफ,आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी और आरएएफ के जवान चुनाव ड्यूटी के लिए मतदान केंद्रों पर तैनात किए गए हैं।इसके अलावा प्रवेश द्वारों पर पीएसी के जवान मुस्तैद किए जाएंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि मतदान केंद्र के भीतर कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश न करे। मतदान केंद्र के बाहर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस की होगी। संबंधित थाना की पुलिस के साथ ही चुनाव ड्यूटी के लिए बाहर से आए पुलिसकर्मी यहां तैनात रहकर शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करेंगे।

22 हजार जवानों की होगी तैनाती :

मतदान के लिए शनिवार को पूरे जनपद में 22 हजार जवानों की तैनाती की जाएगी। इनमें सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के साथ ही पुलिस, पीएसी व होमगार्ड के जवान शामिल होंगे। सीएपीएफ व पीएसी को मिलाकर 50 से ज्यादा कंपनियां चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं। होमगार्ड के पांच हजार जवान भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद किए गए जवानों के सहयोग के लिए लगाए गए हैं।

यूपी के अलावा चार राज्यों की पुलिस :

पैरामिलिट्री के साथ ही इस बार दूसरे राज्यों की पुलिस भी चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं। इनमें तेलांगाना, केरल, मणिपुर व पंजाब राज्य की पुलिस शामिल है। इनको मतदान केंद्र के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही क्यूआरटी में भी तैनात किया गया है। क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। फिलहाल, इसका निर्णय संवेदनशीलता के आधार पर लिया जाएगा।

42 क्यूआरटी भी दौड़ेंगी :

सभी थाना क्षेत्रों में मतदान के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए क्यूआरटी का भी गठन किया गया है। प्रत्येक क्यूआरटी में एसआई के साथ ही हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल के साथ 10 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा दो-दो होमगार्ड भी लगाए गए हैं। किसी भी अप्रिय सूचना पर क्यूआरटी तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करेगी। इसके अलावा सेक्टर, जोनल व सुपर जोनल अफसर भी लगातार भ्रमणशील रहकर हालात पर नजर बनाए रखेंगे।

डायल 112 की गाड़ियों से लेंगे लाइव फीड :

विधानसभा चुनाव की तरह इस बार भी मतदान केंद्रों के आसपास की गतिविधियों पर सतत निगाह बनाए रखने के लिए डायल 112 की गाड़ियों की मदद ली जाएगी। चिह्नित मतदान केंद्रों के बाहर डायल 112 की चारपहिया गाड़ियां मौजूद रहेंगी। इन पर लगे सर्विलांस कैमरों से मिलने वाली फीड की जरूरत पड़ने पर आईट्रिपलसी से लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। गौरतलब है कि डायल 112 की चारपहिया गाड़ियों पर 360 डिग्री पर घूमने वाले सर्विलांस कैमरे इंस्टाल किए गए हैं। जवानों को सभी मतदान केंद्रों पर मुस्तैद कर दिया गया है। मोबाइल टीमें भी बनाई गई हैं, जो मतदान के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहेंगी। सुरक्षा के संबंध में पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

-सतीश चंद्र, एडीसीपी अपराध व नोडल लोकसभा चुनाव

मतदान के बाद मुंडेरा मंडी के स्ट्रांग रूम में रखी जाएगी ईवीएम मशीन

प्रयागराज। प्रयागराज की दोनों सीटों पर मतदान के बाद ईवीएम मुंडेरा मंडी में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखी जाएंगी। 2241 ईवीएम रखने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने 10 दिन पहले मंडी का बड़ा हिस्सा खाली करा लिया था। मंडी के बरामदे आरक्षित कर लिए गए। मतदान से तीन दिन पहले जिला निर्वाचन कार्यालय ने पूरा मंडी को कब्जे में ले लिया। ईवीएम स्ट्रांग रूम में रखने के बाद 27 मई को मंडी खुलेगी।

अतीक की जमीन पर अवैध कब्जा, एसडीएम ने कराई एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक की जमीन पर कब्जे के मामले में गुरुवार रात सदर एसडीएम अभिषेक सिंह ने ऋक्रफ दर्ज कराई। सिविल लाइन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रशासन इस जमीन को कुर्क करने की तैयारी में है।यह जमीन इलाहाबाद हाईकोर्ट के पास है। माफिया ने 5 करोड़ की जमीन महज 14 लाख रुपए में अपने नाम करवाई थी। अतीक इस जमीन पर अपने बड़े बेटे उमर अहमद के लिए लॉ फर्म बनवाना चाहता था।उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक के क्र-227 गैंग पर पुलिस ने सख्ती की। प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने भी नामी-बेनामी प्रॉपर्टी की जांच शुरू की। इसी बीच अतीक और अशरफ की हत्या हो गई। इसके बाद माफिया के वकील ने प्रशासन को जानकारी दी कि अतीक की जमीन पर कुछ वकीलों ने कब्जा कर लिया है। 5 मई को प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की। प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने जांच कर जमीन से कब्जा हटवा दिया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (ढऊअ) ने जांच की, तो पता चला कि 2006 में अतीक ने एमजी मार्ग सिविल लाइंस के रहने वाले अब्दुल रब से इस जमीन का सौदा 14 लाख में किया था। वर्तमान समय में बिल्डर इस जमीन की कीमत 5 करोड़ तक बता रहे हैं। इसी मामले में सदर एसडीएम अभिषेक सिंह मामले की जांच कर रहे थे। अपनी जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने गुरुवार रात एफआईआर दर्ज कराई है।

अतीक गैंग की 1800 करोड़ की संपत्ति अब तक कुर्क : उमेश पाल हत्याकांड के बाद पुलिस ने अब तक अतीक गैंग की 1800 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। पुलिस ने अतीक-अशरफ और गैंग के सदस्य के मददगारों, फाइनेंसरों की सूची भी तैयार की है। वहीं ईडी अतीक की बेनामी संपत्तियों की जांच में लगी हुई है।

तीन ड्रीम प्रोजेक्ट में 40 करोड़ लगाए : अतीक-अशरफ के 3 ड्रीम प्रोजेक्ट शहर में ही हैं। करेली में अलीना सिटी, अहमद सिटी में करोड़ों रुपए खर्च कर प्लाटिंग की गई। इसमें अतीक-अशरफ से जुड़े 17 लोगों ने करोड़ों रुपए इन्वेस्ट किए। पुलिस-ईडी की निगाह में आने के बाद इस प्रोजेक्ट पर जांच चल रही है। धूमनगंज के झलवा में सिटी आवास योजना में करोड़ों रुपए लगे। पुलिस ने इसके दस्तावेज खंगाले और पूछताछ भी की। इस प्रोजेक्ट में अकेले अशरफ और उसके ससुराल वालों के रुपए लगाने की बात सामने आई है।

आजम खान, पत्नी और बेटे को हाईकोर्ट से जमानत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सपा नेता आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। शुक्रवार को अब्दुल्ला के फर्जी सर्टिफिकेट मामले में हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया। इस वक्त तीनों अलग-अलग जेल में बंद हैं।अब्दुल्ला के दो बर्थ सर्टिफिकेट मामले में करीब 7 महीने पहले (18 अक्टूबर, 2023 को) रामपुर की स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट ने आजम, तंजीन फातिमा और अब्दुल्ला को 7-7 साल की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने आजम की 7 साल की सजा पर भी रोक लगा दी। पत्नी और बेटे की सजा पर कोर्ट ने रोक नहीं लगाई। 14 मई को हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद जस्टिस संजय सिंह की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।हाईकोर्ट के वकील शरद शर्मा ने बताया कि आजम अभी जेल में रहेंगे, क्योंकि हेटस्पीच मामले में भी उन्हें 7 साल की सजा हुई है। बेटा अब्दुल्ला भी एक अन्य मामले में भी आरोपी है। ऐसे में सिर्फ पत्नी तंजीन ही जेल से बाहर आएंगी।

हाईकोर्ट में आजम परिवार ने दाखिल की थी रिवीजन याचिका

आजम खान, तंजीन और अब्दुल्ला ने एमपी/एमएलए कोर्ट की सजा के खिलाफ रामपुर सेशन कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सेशन कोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए कहा था। बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आजम अभी सीतापुर जेल में बंद हैं, तंजीन रामपुर और अब्दुल्ला हरदोई जेल में हैं। राज्य सरकार ने सजा के ऐलान के बाद ही आजम और बेटे को रामपुर से अलग-अलग जेल में शिफ्ट कर दिया था। पूरे परिवार को सजा सुनाए जाने के बाद आजम ने कहा था- इंसाफ और फैसले में फर्क होता है।

चुनाव लड़ने के लिए बेटे का बनवाया था फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट

आजम के बड़े बेटे अब्दुल्ला ने दो बर्थ सर्टिफिकेट बनवाए थे। एक में जन्म का साल 1993 और दूसरे में 1990 था। रामपुर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में रामपुर के गंज थाने में दो बर्थ सर्टिफिकेट होने का केस दर्ज कराया था। पुलिस ने IPC की धारा 193, 420, 467, 468, 471 के तहत ऋक्रफ दर्ज की थी। इसमें आजम और तंजीन को भी आरोपी बनाया था। जांच में पता चला, अब्दुल्ला को आजम विधायक का चुनाव लड़ाना चाहते थे। इसलिए उसकी उम्र 3 साल बढ़ाकर फर्जी सर्टिफिकेट बनवाया।

पिछड़ों का जमीर जागा : मान सम्मान स्वाभिमान के लिये खड़ा हुआ बसपा के साथ

अखंड भारत संदेश

जिस समाज की सत्ता होती है उस समाज पर अन्याय, अत्याचार नही होते, बहुजन समाज शासक और हुक्मरान बनने के लिये खड़ा हुआ बसपा के साथ

प्रयगराज। एक ओर जहां चुनाव प्रचार थमने के बाद बसपा के चुनाव इंचार्ज, विधानसभा अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी और सेक्टर अध्यक्ष अपनी अपनी विधानसभा के प्रत्येक बूथों पर आधी रात तक चुनावी पोलिंग बस्ता पहुंचाने में व्यस्त रहें तो वही बसपा प्रत्याशी मुस्लिम और पिछड़े समाज के मध्य व्यक्तिगत मुलाकात कर बसपा के पक्ष में वोट ओर सपोर्ट करने की बात कही। सूत्रों के हवाले से पता चला कि बसपा फूलपुर और इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र में अपने कोर वोट ओर कैडर वोट के साथ पच्चासी और पन्द्रह की लड़ाई में सफल होते दिख रहा है। जिसका मुख्य कारण प्रतापगढ़ के कुंडा विधयक राजा भैया और अपना दल की प्रमुख अनुप्रिया पटेल के मध्य कुछ बातो को लेकर टीका टिप्पणी ओर माननीय प्रधानमंत्री की रैली में निवर्तमान सांसद केसरी देवी पटेल को उद्बोधन के लिए समय न देना रहा है। सूत्र बताते हैं कि पटेल मतदाताओं में उक्त दोनों मुद्दों को लेकर आन्तरिक नाराजगी है और लगभग शतप्रतिशत पटेल मतदाता बसपा के पक्ष में वोट देते नजर आ सकते है। बसपा फूलपुर के विधानसभा प्रभारी घनश्याम सिंह पटेल का कहना है कि पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्प संख्यक समाज का पचहत्तर साल में आजतक इलाहाबाद लोकसभा से अपना सांसद नहीं बना पाया, इस बात का मलाल उसके दिल में है। विधानसभा चुनाव 2022 में करछना और मेजा से सामन्तवाद व मनुवाद का अंत होने से पिछड़े दलित अल्पसंख्यक समाज का हौसला बढ़ा है। एबी इस समाज का स्वाभिमान जाग गया है। लोकसभा चुनाव 2024 संविधान बचाने का चुनाव है, भाजपा कांग्रेस में अंदर खाने में कोई अन्तर नहीं है बल्कि दोनों एक ही है। और समाज पार्टी ही भाजपा की बी टीम हैं। करछना विधानसभा के चुनाव इंचार्ज जिला कार्यकारिणी के सदस्य उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रामबृज गौतम ने कहा कि तीन चरण के चुनाव से स्पस्ट हो चुका है कि भाजपा 150 से 200 के आसपास ही रहेगी, पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन सकती। खतरा आशंका है कि कांग्रेस के सामंतवादी मनुवादी सांसद 1/3 अलग गुट बनाकर भाजपा की सरकार बनवा सकते हैं। इसलिए पिछड़े दलित आदिवासीअल्पसंख्यक मतदाताओं से अनुरोध है कि किसी भी हालत में दोनों कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशियों को लोकसभा में न पहुंचने दे। बसपा के सैक्टर, बूथ और विधानसभा के पदाधिकारी स्वयं अपने आपको प्रत्याशी मानकर पचहत्तर साल के इतिहास को बदलने का मन बनाकर अपने अपने बूथ जिताकर प्रत्याशी रमेश पटेल को जिताने की जिम्मेदारी लेकर नया इतिहास बनाने का काम करें।

जून में तीन भर्ती परीक्षाएं कराएगा एसएससी, लोकसभा चुनाव बाद शुरू हो जाएगी भर्ती प्रक्रिया

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से जून में तीन भर्ती परीक्षाएं कराई जाएगी। इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। चुनाव परिणाम आने के अगले दिन से ही जूनियर इंजीनियर भर्ती की परीक्षा शुरू हो जाएगी। इसका प्रवेश पत्र अगले सप्ताह जारी कर दिया जाएगा। इसके अलावा दो अन्य परीक्षाओं का प्रवेश पत्र कुछ दिनों बाद जारी होगा। यह परीक्षाएं आनलाइन होगी और केंद्रों का चयन किया जा रहा है।

केंद्र सरकार के विभागों में जूनियर इंजीनियर के 968 पदों पर भर्ती का विज्ञापन 28 मार्च 2024 को जारी किया गया था। इन पदों के लिए 18 अप्रैल तक आवेदन लिया गया था। इसकी आनलाइन परीक्षा चार, पांच और छह जून को होनी थी। लोकसभा चुनाव के चलते इसकी परीक्षा एक दिन टलते हुए अब पांच, छह और सात जून को कराई जाएगी। इसका प्रवेश पत्र एसएससी के मध्य क्षेत्र कार्यालय प्रयागराज से जारी करने की तैयारी है। सेलेक्शन पोस्ट- 12 की भर्ती का विज्ञापन 26 फरवरी को जारी किया गया था। इस भर्ती के जरिए केंद्र सरकार के विभागों में हाईस्कूल से लेकर ग्रेजुएट स्तर तक के 2049 पदों पर चयन होगा। रिक्त पदों के सापेक्ष 18 मार्च तक आवेदन लिया गया था। इसकी परीक्षा छह, सात और आठ मई को होनी थी। चुनाव के चलते यह परीक्षा 24, 25 और 26 जून को होगी। सेंट्रल आर्म्ड पुलिस बल (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर के 4187 पदों की भर्ती का विज्ञापन चार मार्च 2024 को आया था। इन पदों के लिए 28 मार्च तक आवेदन लिया गया और नौ, 10 और 13 मई को परीक्षा होनी थी। चुनाव के चलते यह परीक्षा भी टली थी और अब यह 27, 28 और 29 जून को कराई जाएगी। यह परीक्षाएं देशभर में एक साथ होगी। इसमें आवेदन करने वाले यूपी और बिहार के अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र एसएससी मध्य क्षेत्र से जारी किया जाएगा।

पत्नी के साथ बाइक से जा रहे युवक को चार पहिया ने मारी टक्कर

मऊआइमा। पत्नी को बाइक पर बैठा कर बहन के यहां जा रहे युवक को चार पहिया ने मारी टक्कर दी जिस से बाइक सवार दंपत्ति जख्मी हो गए। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रतापगढ के थाना रानीगंज के ग्राम देवगढ कमासिन निवासी अजय कुमार गौड पुत्र अलगू राम गौड अपनी पत्नी पूनम को बाइक पर बैठा कर मऊआइमा के दादूपुर आ रहा था कि चार पहिया वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दम्पत्ति बुरी तरह जख़्मी हैं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम का मेरा पॉलिसी संख्या 315 8990 36 की मूल पॉलसी बॉन्ड कहीं खो गयी है पॉलसी बॉन्ड खोजने पर नहीं मिली है जिसका प्रयोग पूरी तरह से अवैध है जिस सज्जन को मिले मेरे पते पर पहुंचाने का कष्ट करें।

भवदीय

सार्थक कौशल पुत्र राकेश कौशल निवासी पश्चिम शरीरा बरुआ जनपद कौशांबी

जिले में मतदान दिवस के दिन 1833312 मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

ए0टी0एल0 ग्राउण्ड से मतदान हेतु सभी पोलिंग पार्टियाँ रवाना हुई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। 39-प्रतापगढ़ संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले 5 विधानसभा क्षेत्र रामपुरखास, विश्वनाथगंज, प्रतापगढ़, पट्टी एवं रानीगंज में मतदान दिनांक 25 मई 2024 दिन शनिवार को 1833312 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेगें जिसमें पुरूष मतदाता 970013, महिला मतदाता 863294 एवं थर्ड जेण्डर मतदाता 05 सम्मिलित है। विधानसभावार मतदाता देखा जाये तो रामपुरखास में 331033 मतदाता (पुरूष 173139, महिला 157892, थर्ड जेण्डर मतदाता 02), विश्वनाथगंज में 408524 (पुरूष 218205, महिला 190318, थर्ड जेण्डर मतदाता 01), प्रतापगढ़ में 367865 मतदाता (पुरूष 195902, महिला 171963), पट्टी में 375136 मतदाता (पुरूष 197602, महिला 177533, थर्ड जेण्डर मतदाता 1) तथा रानीगंज विधानसभा में 350754 (पुरूष 185165, महिला 165588, थर्ड जेण्डर मतदाता 01) मतदाता है।

एटीएल परिसर से रवाना होती पोलिंग पार्टियां।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन के अन्तर्गत छठे चरण में जनपद प्रतापगढ़ में मतदान हेतु सभी तैयारियॉ पूर्ण कर 1902 पोलिंग पार्टियों की रवानगी ए0टी0एल0 ग्राउण्ड में सामान्य प्रेक्षक पवन कुमार मालापति, पुलिस प्रेक्षक महेश चन्द्र जैन, जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा सहित सम्बन्धित प्रभारी अधिकारी, जोनल मजिस्ट्रेट्ठ व सेक्टर मजिस्ट्रेट्ठ आदि की मौजूदगी में की गयी जो शनिवार को अपने-अपने पोलिंग बूथों पर माकपोल कराने के पश्चात् सभी औपचारिकतायें पूर्ण कर प्रातः 7 बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारम्भ करायेगे। जनपद में मतदान को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से कराये जाने के लिये पर्याप्त मात्रा में अर्द्धसैनिक बल, पी0ए0सी0 व पुलिस बल एवं होमगार्ड लगाये गये है जो अपने अपने क्षेत्रों में प्रत्येक गतिविधियों पर नजर रखते हुये असामाजिक तत्वों तथा मतदान कार्य में व्यवधान डालने वाले व्यक्तियों पर पैनी नजर रखते हुये तत्काल सम्बन्धित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करेगें।

सामान्य प्रेक्षक व जिलाधिकारी ने समस्त जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट्ठ को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र की पोलिंग पार्टियों को ईवीएम व वीवीपैट तथा निर्वाचन सामग्री सम्बन्धित काउण्टरों से दिलवाने के पश्चात् निर्धारित वाहन से अपने मतदान केन्द्रो के लिये प्रस्थान करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में निर्वाचन को शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष एवं निर्भीक रूप से कराये जाने हेतु सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये है, सुरक्षा बल के अर्द्धसैनिक बल, पी0ए0सी0, पुलिस के जवान लगाये गये है जो अपने-अपने क्षेत्रों में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखेगें। उन्होने कहा कि यदि कोई किसी मतदाता को डराता, धमकाता अथवा मतदान करने में व्यवधान पैदा करेगा उसको बक्शा नही जायेगा। उन्होने कहा कि क्रिटिकल/वल्नरेबुल क्षेत्रों पर विशेष सुरक्षा के प्रबन्ध किये गये है ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

उन्होने यह भी बताया है कि मतदान के समय मतदाता पर्ची के अलावा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जो 12 विकल्प दिये गये है उसमें से एक पहचान पत्र मतदान के समय अपने साथ अवश्य लायें जिनमें आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, बैंको/डाकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अर्न्तगत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान, सांसदो/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र, यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार और फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज को सम्मिलित किया गया है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, परियोजना निदेशक डीआरडीए आर0सी0 शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक सरदार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह सहित डा0 विन्ध्याचल सिंह, डा0 मोहम्मद अनीस, धर्मेन्द्र कुमार ओझा आदि ने पोलिंग पार्टियों के रवानगी में विशेष सहयोग दिया।

मतदान को लेकर प्रशासन ने कसी कमर, राजनीतिक दलों ने डोर टू डोर अभियान में झोंकी ताकत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मतदान के आखिरी दिन राजनीतिक दलों के कार्यालयों में मतदान केन्द्रों पर बस्ते पहुंचाने की प्रक्रिया सरगर्मी में दिखी। वहीं कार्यकर्ता अपने अपने प्रत्याशी के पक्ष में डोर टू डोर संपर्क करने में भी कड़ी धूप में पसीना बहाते दिखे। वहीं प्रशासन मतदान को लेकर शांति और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने में मशक्कत करते देखा गया। बाजारों में पुलिस एवं अर्धसैनिक बल के जवान मुस्तैदी के बीच लोगों को मतदान के दिन सुरक्षा के भरोसे का एहसास कराते दिखे। मतदान केन्द्रों पर दोपहर बाद से पोलिंग पार्टियों का पहुंचना शुरू हुआ। पोलिंग पार्टियों की भी सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद दिखा। मतदेय स्थलों पर मतदाताओं के लिए छांव तथा पीने के पानी आदि के प्रबन्ध को लेकर भी तैयारियां अंतिम रूप में दिखी। मतदान के दिन लालगंज बाजार समेत प्रमुख स्थलों पर वाहनों की चेकिंग के लिए बैरीकेटिंग की भी व्यवस्था नजर आयी है। पुलिस ने बाजारों में मतदान के एक दिन पूर्व सघन चेकिंग अभियान भी शुरू किया। एसडीएम प्रवीण द्विवेदी तथा सीओ रामसूरत सोनकर प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर कड़ी समीक्षा में दिखे। मतदान के दिन बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश को लेकर पुलिस प्रशासन ने कडी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

मैजिक चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए दुर्घटना करने को लेकर वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के विकास नगर जेवई गांव की श्रीमती पत्नी फूलचंद्र सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीस फरवरी को सुबह उसका चार वर्षीय मासूम पुत्र अंश घर से स्कूल जा रहा था। रास्ते में लाला का पुरवा जेवईं के समीप अवदर जेवईं निवासी मैजिक डाला चालक प्रदीप वर्मा पुत्र भरोसे वर्मा ने तीव्रगति से लापरवाहीपूर्वक मैजिक चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। कोतवाल अवन दीक्षित का कहना है कि मामले में तहरीर के आधार पर वाहन चालक के खिलाफ गुरूवार की रात मुकदमा दर्ज किया गया है।

न्यायालय से चार दशक बाद मिला न्याय

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। न्यायालय का चक्कर लगाकर थक चुके न्याय की आस में एक पीढ़ी खो चुके परिवार को आज अपर जिला जज माननीय बाबूराम जी ने उसके पक्ष में अपना फैसला सुनाया। बताते चलें कि पीड़ित पक्ष के आत्मा राम त्रिपाठी भृगुराज त्रिपाठी आशाराम गत 45 वर्षों से अपने पूर्वजों की धरती पर अपने अधिकार में नहीं ले सके उनके पड़ोसी कब्जेदार दीनानाथ त्रिपाठी ने वादकारियों की जमीन पर 45 वर्षों से कब्जा कर रखा था जिसमें सिविल अपील में तारीख दर तारीख सुनवाई करते हुए आज अपर जिला जज ने आदेश दिया कि निर्णय की तारीख से दो माह के अंदर विवादित भूमि से अपना कब्ज़ा हटाकर वादी को कब्ज़ा दे दें ऐसा न करने पर अपीलार्थी गण को न्यायालय के माध्यम से कब्ज़ा प्राप्त करने का अधिकार होगा। वादी की तरफ से अधिवक्ता धीरेन्द्र कुमार तिवारी,देव, एवम उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के सीनियर अधिवक्ता रोहित त्रिपाठी के द्वारा न्याय के लिए पैरवी की गई। मामला सदर तहसील के अन्तर्गत मौजा खजूरनीं के सडारी गांव का पीड़ित पक्ष के चेहरों पे मुस्कान खिल गई है।

देशी बम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की मोटर साइकिल बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद के थाना जेठवारा के उ0नि0 वंशीधर राय मय हमराह हे0का0 मो0 अकबर, हे0का0 राज सिंह, का0 अनुराग शुक्ल द्वारा देखभाल क्षेत्र, संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग के दौरान, मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र जेठवारा के ग्राम भावनपुर के पास से अभियुक्त नियामत उल्ला पुत्र हुयातउल्ला निवासी जिल्ला सरायइन्द्रावत नगर पंचायत डेरवा थाना जेठवारा, जनपद प्रतापगढ़ को चोरी की फर्जी नम्बर प्लेट लगी एक अदद स्प्लेण्डर मोटर साइकिल व चार अदद देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त नियामत उल्ला उपरोक्त से चोरी की फर्जी नम्बर प्लेट लगी स्प्लेण्डर मोटर साइकिल के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि यह मोटर साइकिल हमने जनपद सुल्तानपुर से चोरी की थी, हमने कब चुराया था याद नही है एवं मैं बम को अपने सुरक्षा के लिए रखते हैं।

गुजरात से आ रहा युवक नहीं पहुंचा घर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। गुजरात से घर के लिए निकला युवक घर पर नहीं पहुंचा। जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया। अनहोनी की आशंका को जताते हुए परिजनों ने उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए युवक की खोजबीन करने की गुहार लगाई है। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा निवासी राजकुमार वर्मा गुजरात में रहकर नौकरी करता है।वह 20 मई को गुजरात से बांद्रा एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज आया रात 10:30 बजे घर वालों से बात भी किया उसके बाद वह घर नहीं पहुंचा और उसका मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा।परिजन गायब युवक का पता लगाने के लिए प्रयागराज गए और कई जगहों पर खोजबीन किए लेकिन कुछ पता नहीं चला सका।इस मामले में युवक की पत्नी अनीता देवी ने अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर गायब युवक को ढूंढने के लिए गुहार लगाई है।

महुली मंडी में बने स्ट्रांग रूम का सामान्य प्रेक्षक, डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत महुली मंडी में बने स्ट्रांग रूम का सामान्य प्रेक्षक पवन कुमार मालापति, जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

महुली मण्डी का निरीक्षण करते सामान्य प्रेक्षक, डीएम व एसपी।

निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने मेन गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों से कहा कि एक रजिस्टर बना लें तथा आने जाने वाले सभी व्यक्तियों की उसमें एंट्री करें। इसके साथ ही उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी अवलोकन किया एवं 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहरा, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जितेंद्र पाल, सीओ सिटी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मतदान एवं मतगणना के दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

उधर लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में मतदान एवं मतगणना के दिन मद्यनिषेध घोषित किए जाने के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व 1951 की धारा 135 (ग) के खंड-1 में यथा उपबंधित प्राविधान के अनुसार स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निर्विघ्न निर्वाचन के संचालन हेतु शांति व्यवस्था के दृष्टिगत मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व से लेकर मतदान समाप्ति तक तथा मतगणना दिवस चार जून को जनपद प्रतापगढ़ में ड्राई डे घोषित किया जाता है, उक्त अवधि में जनपद की समस्त आबकारी दुकानें (देसी मदिरा, विदेशी मदिरा, बियर, मॉडलशाप, भांग, ताड़ी एवं एफ0एफ0-16/17 की फुटकर बिक्री की दुकानें तथा देशी/विदेशी मदिरा एवं बियर की थोक दुकानें) बंद रहेंगी। उक्त अवधि में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों की मात्रा का ना तो संचय करेगा, ना ही वितरण करेगा और ना ही लेकर चलेगा।

पॉक्सो एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद के थाना आसपुर देवसरा के उ0नि0 प्रभात कुमार सिंह मय हमराह उ0नि0 प्रदीप कुमार, का0 रमाशंकर यादव द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान, मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 132/24 धारा 376(3), 506 भादवि व 3/4(2) पाक्सो एक्ट से संबंधित 01अभियुक्त नितिन सिंह उर्फ टिड्डी पुत्र अम्बिका प्रसाद सिंह नि. ग्राम आसपुर देवसरा थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ को थानाक्षेत्र के आसपुर देवसरा बाजार के पास से गिरफ्तार किया गया है।

वायुसेना के बलिदानी जवान को प्रमोद ने अर्पित की पुष्पांजलि

बोले देश की हिफाजत के लिए अविस्मरणीय रहेगा राजकुमार का बलिदान

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने शुक्रवार को वायुसेना के बलिदानी जवान को भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। वही क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने बलिदानी के परिजनों से फोनिक वार्ता कर अपनी संवेदना प्रकट की।

रामपुर खास के सांगीपुर क्षेत्र के पूरे नरायनदास में राजकुमार पाल (50) वायुसेना में महत्वपूर्ण नान कॉम्बैट पद पर तैनात थे। उनका तबादला नई दिल्ली से अलवर राजस्थान हो गया था। अलवर कार्यभार ग्रहण करने पहुंचने पर गुरूवार को मस्तिष्क आघात से राजकुमार पाल की सांसे थम गयी। गुरूवार की शाम बलिदानी सैनिक का शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। सेना की टुकडी ने शुक्रवार की सुबह बलिदानी सैनिक को सशस्त्र सलामी दी। इसके बाद उनका शव मानिकपुर अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। बलिदानी का शव आने पर गांव तथा आसपास के इलाके के लोग नम आंखों से अंतिम विदाई देने पहुंचे। वहीं जानकारी मिलते ही राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी अपनी बेटी प्रोफेसर डॉ. विजयश्री सोना के साथ बलिदानी सैनिक के गांव पहुंचे और स्वयं तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारतीय सेना में अपनी जाबांज सेवा देने वाले एक वीर सैनिक का असमय निधन दुखदायी है। उन्होनें कहा कि स्वर्गीय राजकुमार पाल ने देश की सम्प्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर रामपुर खास का देश की रक्षा में बलिदान के गौरवशाली इतिहास के साथ पूरे देश में सिर ऊँचा किया है। बलिदानी सैनिक स्व. राजकुमार पाल के पिता रामअधार पाल तथा मां रामरती व पत्नी रामपती तथा पुत्र राहुल 28 व रोहित 24 का रोना बिलखना देख मौजूद लोगों की आंखे भर आयीं। इधर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने दुर्घटना में घायल लालगंज नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी के भी स्वास्थ्य लाभ की कामना करने सांगीपुर वार्ड स्थित उनके आवास पर पहुंचे। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी नगर में पूर्व मंत्री प्रो. शिवाकांत ओझा के भी आवास पर पहुंचकर हाल ही में उनके पिता पूर्व प्राचार्य पं. रमाशंकर ओझा के हाल ही में निधन पर परिजनों से मिलकर शोक जताया। इस मौके पर चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, छोटे लाल सरोज, बृजेश द्विवेदी, त्रिभु तिवारी, आदि रहे।

बलिदानी सैनिक को पुष्पांजलि अर्पित करते राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी।

अश्रुपूरित नैनों से हरिप्रताप सिंह की नगर पालिका से हुई विदाई

रसूलाबाद घाट पर अन्त्येष्टि में मौजूद रहे हजारों लोग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आज प्रातः से ही सदर मोड़ पर बड़ी संख्या में लोग हरिप्रताप सिंह के आवास पर पहुंचे थे और शीशे के बाक्स में रखे हरिप्रताप सिंह के शव पर क्रमवार लोग उन्हें पुष्प अर्पित कर रहे थे। इसके बाद हरिप्रताप का शव फूलों से सजी एक गाड़ी में रखकर पूर्वान्ह लगभग साढे नौ बजे नगर पालिका परिसर में ले जाया गया जहां पर अधिकारियों, कर्मचारियों, सभासदों, गणमान्य नागरिकों तथा अधिवक्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

नगर पालिका के पूर्व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह भी आज हरिप्रताप सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिये पहुंचे थे। इसके अलावा अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील, दोनों आरआई लाल बहादुर सिंह व राजेश बिंद, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह सहित सभी कर्मचारियों व सभी सभासदों ने श्रद्धा सुमन भेंट कर अंतिम विदाई दी। लगभग आधे घंटे तक नगर पालिका परिसर में हरिप्रताप सिंह का शव रखा गया था। बता दें कि इसी नगर पालिका में उन्होंने लगभग 27 वर्षों तक अध्यक्ष के रुप में अपनी सेवा दिया और प्रतापगढ़ शहर में नई-नई योजना लाने की पूरी कोशिश की। केवल पिछले कार्यकाल में महिला सीट होने के नाते उनकी पत्नी प्रेमलता सिंह पांच वर्ष तक अध्यक्षा थी। दो वर्ष पहले हुए चुनाव में हरिप्रताप सिंह पुनः अध्यक्ष बने थे। आज प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री मोती सिंह, सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य, अधिकांश सभासद रसूलाबाद घाट तक पहुंचकर उनकी अन्त्येष्टि में शामिल हुए। शुक्रवार की अपरान्ह में 1.40 बजे उनके शव को मुखाग्नि दी गई। बता दें कि गुरुवार को अखिलेश यादव की बड़ी सभा में गठबंधन प्रत्याशी एसपी पटेल ने हरिप्रताप सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया था। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश सिंह, पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्याम किशोर शुक्ला, शिक्षाविद् एवं पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीरज त्रिपाठी, सपा नेता संजय सिंह, सुल्तानपुर के नेता रामचंद्र मिश्र ने गहरा शोक जताया है।

नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह को श्रद्धांजलि देते लोग।

एमडीपीजी कालेज के प्राचार्य ने मतदान करने व कराने की किया अपील

प्रतापगढ़। शहर के मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 मनोज मिश्र ने अपने शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं देश के सम्मानित नागरिकों से एक वोट की कीमत का उदाहरण देते हुए बताया कि 1998 में वाजपेयी सरकार एक मत से गिर गई थी। 2008 में कर्नाटक विधान सभा चुनाव में एआर कृष्णमूर्ति एक वोट से चुनाव हार गये थे। इसी वर्ष राजस्थान की नाथ विधान सभा सीट से सीपी जोशी मात्र एक वोट से चुनाव हार गये थे। ऐसे में आप एक मत का महत्व समझें और 25 मई को मतदान स्वयं करें और किसी अनिच्छुक मतदाता से वोट जरुर डलवाएं, यह हम सबकी जिम्मेदारी है।

संदिग्ध परिस्थितियों मे घर मे लगी आग, गृहस्थी जलकर हुई राख

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के छिंदौरा गांव में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में बजरंग बली पुत्र गगादीन व केसकली पत्नी स्व रामशंकर के घर मे आग लगने से गृहस्थी जलकर राख हो गई घर के सभी परिजनों बाहर सो रहे थे कि अचानक साढे बारह बजे नींद खुली तो देखा कि घर धू धू करके जल रहा है परिजन लोगो ने शोर मचाना शुरु कर दिया शोर होने पर आस पास के लोग दौड़ पड़े घटना की सूचनापीड़ित परिजनों ने दमकल पुलिस को दी सूचना मिलने पर रात लगभग डेढ़ बजे दमकल की गाडी पहुंची तब तक ग्रामीणो ने आग पर काबू पा लिया था थोड़ी बहुत जल रही आग को दमकल कर्मियों ने बुझाया। पीड़ित बजरंग बली के मुताबिक भूसा के बगल झिल्ली मे रखा 5 हजार रुपया जलकर राख हो गया घर मे खाने को राशन तक नही बच सका। पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। खुले आसमान् के नीचे रहने को मजबूर हो रहे है खाने को राशन तक नही बचा किसी तरह ग्राम वासियो के सहयोग से पेट को भोजन नसीब हो रहा है।

सीडीओ के निरीक्षण में विकास भवन के आधे कर्मचारी अधिकारी मिले गायब कई कार्यालय में बन्द रहा ताला

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी द्वारा 24 मई को पूर्वान्ह 10:30 बजे विकास भवन में स्थित कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान विकास भवन के कई कार्यालय में ताला बंद मिला और विकास भवन के आधे कर्मचारी अधिकारी कार्यालय से गायब थे सीडीओ के निरीक्षण में अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति की पोल खुल गई है जिस पर सीडीओ का पारा गर्म हो गया है और उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कार्रवाई के संकेत दिए हैं कार्यालय जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी के निरीक्षण के दौरान अजय कुमार राय अपर सांख्यिकी अधिकारी एवं जितेन्द्र कुमार यादव कनिष्ठ सहायक अनुपस्थित पाये गये कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी के निरीक्षण के दौरान दिलीप कुमार जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत घनश्याम सिंह वरिष्ठ सहायक, अंशुमान सिंह वरिष्ठ सहायक, कौशलेश सिंह कनिष्ठ सहायक, सुश्री समरीन फात्मा कनिष्ठ सहायक शरद यादव कनिष्ठ सहायक एवं बचई लाल चतुर्थ श्रेणी अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी के निरीक्षण के दौरान रवि शंकर द्विवेदी जिला पंचायत राज अधिकारी उपस्थित नहीं पाये गये तथा उनके

अनुपस्थित कर्मचारियों अधिकारियों से एक सप्ताह के अंदर सीडीओ ने मांगा जवाब मचा हड़कंप

कार्यालय में कार्यरत वेद प्रकाश ओझा ग्राम पंचायत अधिकारी सम्बद्ध व सुरेश कुमार, डी0पी0एम0 अनुपस्थित पाये गये कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के निरीक्षण के दौरान अश्वनी कुमार जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी उपस्थित नहीं पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत श्रीमती गीता सक्सेना वरिष्ठ सहायक व नरेन्द्र तिवारी, कनिष्ठ सहायक अनुपस्थित पाये गये कार्यालय जिला ग्राम्य विकास अभिकरण में शिव मिलन सफाईकर्मी व रामयश सिंह सफाईकर्मी अनुपस्थित पाये गये कार्यालय जिला खाद्य विपणन अधिकारी के निरीक्षण के दौरान सुधांशु शेखर जिला खाद्य विपणन अधिकारी उपस्थित नहीं पाये गये।कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के निरीक्षण के दौरान श्रीमती सुनीता मंडार जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी उपस्थित नहीं पायी गयी कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी में प्रेम सिंह, पत्रवाहक व घनश्याम मौर्य वाहन चालक अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई कौशाम्बी में संजय उपाध्याय, सर्वे अमीन अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण के निरीक्षण के दौरान मौके पर कार्यालय में कार्यरत सभी कार्मिक उपस्थित थे। कार्यालय मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी के निरीक्षण के दौरान मौके पर श्री ए0के0 सागर, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी उपस्थित पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत सभी कार्मिक भी उपस्थित थे।कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के निरीक्षण के दौरान जिला ग्रामोद्योग अधिकारी उपस्थित नहीं पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत मनीष कुमार, स0वि0अ0,धर्मेन्द्र कुमार, आशुलिपिक व अनिल कुमार आकस्मिक अवकाश पर थें शेष सभी कार्मिक कार्यालय में उपस्थित पाये गये।कार्यालय सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता के निरीक्षण के दौरान डी0एन0 प्रसाद, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता उपस्थित नहीं पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत अनुपम कुमार, सी0ओ0 व श्रीमती मीना कुमारी वरिष्ठ सहायक अनुपस्थित पाये गये कार्यालय उपायुक्त(श्रम-रोजगार) में जितेन्द्र कुमार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय जिला समन्वयक, कौशल विकास मिशन में दीपक मौर्या, डी0एस0एम0 व श्री शनी कुमार पाण्डेय, डाटा आपरेटर अनुपस्थित पाये गये। कार्यालय जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी के निरीक्षण के दौरान प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कौशाम्बी उपस्थित नहीं पाये गये।कार्यालय, अधिशाषी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उपस्थित पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत सभी कार्मिक भी उपस्थित थे।कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी के निरीक्षण के दौरान नीरज कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुपस्थित पाये गये तथा उनके कार्यालय में कार्यरत रामकृपाल, वरिष्ठ सहायक व राहुल कुमार श्रीवास्तव, चतुर्थ श्रेणी अनुपस्थित पाये गये।कार्यालय जिला सेवा योजना अधिकारी के निरीक्षण के दौरान गौतम घोष सहायक जिला सेवा योजना अधिकारी अनुपस्थित पाये गये तथा उनके कार्यालय में ताला बन्द पाया गया। कार्यालय जिला समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र के निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र, कौशाम्बी अनुपस्थित पाये गये तथा उनके कार्यालय में भी ताला बन्द पाया गया। निरीक्षण में अनुपस्थित पाये गये अधिकारियों/कर्मचारियों को डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया गया कि अपना स्पष्टीकरण एक सप्ताह के अन्दर उनके कार्यालय में प्रस्तुत करें। साथ ही अनुपस्थित पाये गये कार्मिकों के सम्बन्ध में सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया जाता है अनुपस्थिति के सम्बन्ध में कार्मिकों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर एक सप्ताह के अन्दर उनके कार्यालय में प्रस्तुत करें। यदि स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारियों व कार्मिकों का वेतन देय नहीं होगा।

दबंग ने महिला को दी जान से मारने की धमकी, की थाने में शिकायत

चरवा कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरौली गांव के एक दबंग ने बेवजह गाली गलौज देते हुए नाफदान का पाइप उखड़ कर फेक दिया विरोध करने पर दबंग महिला और उसके बच्चो को जान से मारने की धमकी दे रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बिरौली गांव की रहने वाली मंजू देवी पत्नी गोपी पासी ने चरवा थाना प्रभारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसका पति मछली शहर में भट्टे पर रहकर मजदूरी करता है और मंजू अपने चार बच्चों के साथ घर पर रहती है । मंजू के पड़ोस का रहने वाला सोनू पासी पुत्र स्व. फगुहारे शुक्रवार को समय करीब 10:00 बजे सुबह उसे गाली गलौज देते हुए उसके घर में लगे नाफदान का पाइप उखाड़ कर फेंक दिया जब मंजू देवी ने इसका विरोध किया तो सोनू कहता है कि तुझे जहां जाना है जा मैं किसी से डरता नहीं अगर कहीं शिकायत किया तो तुझे और तेरे बच्चों को जान से मार कर फेंक दूंगा । मंजू देवी के मुताबिक उसका विपक्षी दबंग किस्म का व्यक्ति है और पीड़िता को तीन दिन से गन्दी गन्दी गाली गलौज देता है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

बहू ने देवर सहित विधवा सास को पटक कर पीटा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के रमदयाल पुर गांव की राधिका देवी पत्नी स्व० जीवन लाल ने दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि मेरे पति की बीमारी के कारण एक वर्ष पहले मौत हो गई है। विधवा महिला के तीन बच्चे हैं। बड़े बेटा अरविंद की शादी हो गई है दो बेटा अभी नाबालिग है। बड़ा बेटा अपने परिवार के साथ अलग रहता है। विधवा महिला मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। वृहस्पतिवार की सुबह करीब 11:30 बजे बहू लक्ष्मी देवी पत्नी अरविंद कुमार ने पीड़िता से कहा कि मुझे जेवरात बनवाओ पीड़िता ने कहा कि मेरे पास किसी भी प्रकार की कोई कमाई नहीं आती है। मैं किसी तरह मेहनत मजदूरी करके अपने बच्चों का भरण-पोषण करती हूं। अपने पति की कमाई से जेवरात बनवा लो मुझे किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति नही है। इतनी सी बात में बहू लक्ष्मी देवी ने विधवा महिला को गाली-गलौज देते हुए पटक कर लात घूंसा से मारने पीटने लगी। विधवा महिला के चिल्लाने पर शोर सुनकर छोटे - छोटे बच्चे मौके पर पहुंच कर बीच-बचाव करने लगें तो बहू ने इन्हें भी मारा पीटा। जिससे विधवा महिला सहित बच्चों को चोटें आई है। विधवा महिला का आरोप है कि मेरी बहू अपने माता-पिता व भाई के सह पर आए दिन मुझे मारती पीटती है तथा मुझे प्रताड़ित करती रहती है। विधवा महिला ने अपने बच्चों संग चरवा थाना पहुंच कर बहू व बहू के माता-पिता व भाई के विरुद्ध नाम जद्द लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही करने कि मांग किया है। चरवा पुलिस ने शिकायती प्रार्थना पत्र पाकर जांच में जुट गई है।

भरवारी कस्बे में कोखराज थानेदार ने किया पैदल गस्त

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थानेदार इन्द्र देव व चौकी प्रभारी नीरज उपाध्याय सिंघिया ने पुलिस टीम के साथ भरवारी कस्बे में पैदल गस्त कर शान्ति ब्यावस्था बनाये रखने का निर्देश दिया पैदल भ्रमण के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध बाइक के कागजात चेक कर गलत पाए जाने पर उन पर कार्यवाही की है पुलिस टीम ने गस्त के दौरान कहा कि सड़कों पर वाहन न खड़ा करें निर्धारित स्थान पर वाहन खड़ा करें जिससे नगर में जाम की समस्याएं दूर हो सके नगर में पैदल गस्त के दौरान थानेदार ने लोगों को कानून का पाठ पढ़ाया और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया इस दौरान संडे के लोगों पर खड़ी नजर रक्खी गयी।

हमले की सूचना थाने में देने के 14 घंटे के भीतर फिर पूरे कुनबे पर हमला

कौशाम्बी। चरवा थाना पुलिस पूरी तरह से बेलगाम हो गई है उप निरीक्षक और सिपाही अपराधियों को संरक्षण देकर धन वसूली में लगे हैं जिससे इलाके में आम जनता का जीना मुहाल हो गया है चारों ओर भय दहशत का माहौल बना हुआ है अपराधी बेखौफ है चोरी की घटनाएं भी क्षेत्र में तेजी से बढ़ी हैं मारपीट और हमले के मामले में पुलिस पीड़ितों की मदद करने के बजाय हमलावरों की तरफदारी कर धन वसूली में लगी हुई है जिससे पुलिस वर्दी कलंकित हो रही है लेकिन चरवा थाना पुलिस के अपराधियों को संरक्षण देकर धन वसूली करने के मामले को क्षेत्राधिकारी ने भी संज्ञान लेकर पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना पुलिस को निलंबित कराकर कार्रवाई करने की सिफारिश नहीं की है जिससे चरवा थाना पुलिस के कारनामे से आए दिन वर्दी कलंकित हो रही है ताजा मामला चरवा थाना क्षेत्र के बहादुर का पूरा चरवा की सुषमा देवी पत्नी अमरनाथ का है 23 मई की रात 6:30 बजे सुषमा और उसके पति पर हमला किया गया मामले की सूचना थाने को दी गई थाने में सूचना देने के बाद 14 घंटे के भीतर 24 मई की सुबह 8:00 बजे दंपति और उसके

बेलगाम चरवा पुलिस के चलते क्षेत्र में बढ़ा अपराधियों का बर्चस्व पुलिस वर्दी कलंकित

बेटे बेटी पर फिर उसकी जेठानी गीता ने 10 लोगों के साथ मिलकर लाठी डंडा लात घूसों से बेरहमी से हमला कर कानून व्यवस्था को तार तार कर दिया गया है दूसरी बार के हमले में सुषमा उसका पति अमरनाथ बेटी करिश्मा बेटा बृजेश घायल हो गए हैं लेकिन प्रत्येक मामले में थाना पुलिस जांच कार्यवाही की बात करती रह जाती है अभी धमसेड़ा गांव की सोनिया देवी और उसकी बेटियों पर प्राणघातक हमले के बाद उसके घर को तहस-नहस कर-के घर से लाखों का सामान हमलावर उठा ले गए हैं जमीन पर कब्जा कर लिया है इस मामले में चरवा पुलिस ने डीजीपी को भी गुमराह कर दिया है बेलगाम चरवा थाना पुलिस ने पूरी वर्दी को कलंकित कर वसूली की थी इस मामले की शिकायत के बाद जाँच शुरू हुई यह मामला अभी ठंड भी नहीं पड़ा कि चरवा थाना पुलिस ने फिर पुलिस वर्दी शर्मसार कर दी। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के बहादुर का पूरा चरवा गांव में गीता देवी ने रास्ते की जमीन पर खूंटा लगाकर पशुओं को चारा देने के लिए हौदा रख दिया और वहीं पर पशुओं को बांधती है जिससे पूरा रास्ता बंद हो गया है आने जाने वाले लोगों पर पशु हमला करते हैं जिससे कई लोग चोटहिल हो चुके हैं इस मामले की शिकायत आरोपी से करने पर 23 मई को 6:30 बजे शाम सुषमा देवी और उसके पति अमरनाथ पर लाठी डंडे से हमला किया गया जान से मारने की धमकी दी गई थी मामले की सूचना चरवा पुलिस को दी गई लेकिन इस मामले में पुलिस ने मुकदमा नहीं लिखा आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की घटना को अभी 14 घंटे नहीं बीते थे कि 24 मई की सुबह 8:00 बजे फिर गीता देवी ने अपनी बहन रीता वा कैलाश वा चाचा ससुर राममिलन वा उसके लड़का वा सलमा वा मनोज वा बड़ी बहन वा उसका लड़का और अपनी बेटी मुल्ली को एकत्रित करके सुषमा देवी के घर मे घुसकर लाठी डंडे लात घूसा से फिर हमला बोल दिया पूरे कुनबा को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया चीख पुकार सुनकर उसका पति भी पहुंच गया जिस पर उसके पति अमरनाथ को भी बेरहमी से पीटा गया बेटी करिश्मा और बेटा बृजेश भी पहुंचे उन्हें भी लाठी डंडे से पीटा गया जमीन पर पटक पटक कर मारा पीटा गया देखने वाले के कलेजे दहल गए जिससे सुषमा के परिवार के चार लोग लहूलुहान हो गए मामले की सूचना थाना पुलिस को फिर दी गई है लेकिन अभी तक मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है अब सवाल उठता है कि पुलिस को सूचना देने के बाद वही हमलावर उसी पीड़ित परिवार पर फिर हमला कर दे तो इससे ज्यादा पुलिस की किरकिरी क्या होगी चरवा पुलिस के अनुशासनहीनता को आला अधिकारियों को संज्ञान लेना होगा और कठोर कार्रवाई कर दंडित करते हुए आम जनता को कानून न्याय पर भरोसा दिलाना होगा।

पूरे कुनबे पर लाठी डंडे से किया हमला

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के असरफपुर के मजरा वीरनपर की रहने वाली श्रीमती पत्नी मेवा लाल के घर पर घुसकर पूनम देवी पत्नी सुजीत कुमार ने अपने देवर जेठ कंचन परवेश निरंजन सुनील अनिल आदि के साथ मिलकर 22 मई की शाम 7:00 बजे श्रीमती के परिवार पर लाठी डंडे सरिया से हमला बोल दिया इस हमले में श्रीमती वा मानिक वा गुलाब वा सुषमा वा सुमन वा सीमा लहूलुहान हो गए हैं आरोप है कि महिलाओं के ब्लाउज फाड़ दिए गए हैं और जैसे 5000 छीन लिया गया है मोबाइल भी पटक दिया गया है जिससे टूट गया है मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है।

गैस सिलेंडर की ओवररेटिंग से एजेंसी संचालक कर रहे करोड़ों की वसूली अधिकारी मौन

कौशाम्बी। गैस सिलेंडर के रिफिल पर सरकार द्वारा निर्धारित किए गए कीमत से 32 रुपए से 40 रुपए तक अधिक की ओवर रेटिंग खुलेआम हो रही हैं पूरे जिले में गैस एजेंसी संचालकों द्वारा उपभोक्ताओं से ओवर रेटिंग कर करोड़ो रुपए की अवैध वसूली किया जा रहा है ओवररेटिंग के इस मामले की संबंधित अधिकारियों को बखूबी जानकारी होने के बाद एजेंसी संचालकों पर कार्यवाही कर उनकी एजेंसी को बर्खास्त करने की कोशिश अधिकारियों ने नहीं की है जिससे एजेंसी संचालकों के ओवर रेटिंग से करोड़ों की वसूली में संबंधित अधिकारियों की हिस्सेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता है गैस एजेंसी संचालकों द्वारा गैस सिलेंडर रिफिल में ओवररेटिंग के चलते सरकार की किरकिरी हो रही है लेकिन इन अधिकारियों को हिस्सेदारी के अलावा कुछ समझ में नहीं आ रहा है जिससे आम जनता के बीच जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। चायल तहसील क्षेत्र के गुगवा के बाग स्थित गैस एजेंसी के कर्मचारियों द्वारा गैस रिफिल करने में खुलेआम 868 के बजाय 890 रुपए की वसूली की जा रही है जिससे 32 रुपए की अवैध वसूली हो रही है जबकि सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के रिफिल घर तक पहुंचाने के लिए सिलेंडर की कीमत में शुल्क जोड़ा गया है उसमें जीएसटी और सीएसटी का टैक्स भी जोड़ा गया है लेकिन उसके बाद एजेंसी संचालक के कर्मचारी ज्यादा वसूली कर

जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय को ओवर रेटिंग की बखूबी जानकारी के बाद रोक लगाने को नही है तैयार

रहे हैं और एजेंसी संचालक उन पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं अधिक वसूली के चलते उपभोक्ताओं से रोज झिकझिक होती है लेकिन एजेंसी के कर्मचारी भी दबंग है वह अधिक वसूली को छोड़ना नहीं चाहते हैं यही स्थिति अन्य गैस एजेंसियों की है सूत्रों के माने तो ओवर रेटिंग के चलते करोड़ों रुपए प्रत्येक महीने की अवैध वसूली एजेंसी संचालकों द्वारा की जा रही है इस बात की जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय को बखूबी है लेकिन जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय ओवर रेटिंग पर रोक लगाने को तैयार नहीं है जिससे गैस उपभोक्ता परेशान हैं।

आशुलिपिक, पेशकार एवं चपरासी के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमन्त्रित

कौशाम्बी। स्थायी लोक अदालत, कौशाम्बी में आशुलिपिक के एक पद, पेशकार के एक पद एवं चपरासी के लिए एक पद, कुल 03 पदों पर, जो कि जिला न्यायालय अथवा कलेक्ट्रेट के सेवानिवृत्त कर्मियों में से हों, उनको अधिकतम 02 वर्ष की अवधि के लिए एक निर्धारित मानदेय क्रमशः रू0-9000, 9000 एवं 7000 प्रतिमाह एवं अनुबन्ध के आधार पर नियुक्ति की जानी हैं। यह जानकारी अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने देते हुए बताया कि अभ्यर्थी की आयु 65 वर्ष से कम होनी चाहिए, आवेदक अभ्यर्थी का कोई भी आपराधिक इतिहास नहीं होना चाहिए एवं उनके विरूद्ध कोई अनैतिक आचरण का आरोप भी नहीं होना चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय कौशाम्बी के कार्यालय में दिनांक 05 जून 2024 की सायं 05 बजे तक अपना आवेदन जमा कर सकतें हैं।

फर्जी बैनामा अदालत का आदेश नहीं फिर भी पुलिस ने रोक दिया निर्माण

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के धमसेड़ा गांव में 06 अप्रैल को विधवा सोनिया देवी और उनकी बेटियों पर प्राण घातक हमला करने के बाद उनके घर की दीवार को तोड़कर लाखों का सामान आरोपी बरमदीन आदि उठा ले गए घर पर कब्जा करने का प्रयास किया आरोपियों ने फर्जी बैनामा पत्र तैयार करवा करके जमीन कब्जा करने की नियत बनाई लेकिन सोनिया देवी और उनकी बेटियों ने आरोपियों के मंसूबे को सफल नहीं होने दिया आरोपियों के द्वारा तोड़े गए दीवाल को सोनिया देवी निर्माण करा रही थी जिस पर आरोपियों ने थाना पुलिस के उप निरीक्षक से साठगांठ की आरोपियों ने एक मुकदमा भी अदालत में दाखिल किया लेकिन मुकदमा में अदालत ने पुलिस या प्रतिवादी को निर्माण रोकने का कोई आदेश नहीं दिया है अदालत से कोई स्थगन आदेश भी नहीं जारी हुआ है लेकिन पुलिसिया बल पर उप निरीक्षक ने निर्माण रोक दिया। एक तरफ आला अधिकारियों का कहना है कि जमीनी विवाद के मामले में अदालत का आदेश या राजस्व के बिना पुलिस हस्तक्षेप नहीं करेगी लेकिन

जांच के दौरान उप निरीक्षक द्वारा निजी स्वार्थ और दबाव के चलते पुलिस अधिकारियों को लगातार किया जा रहा है गुमराह

आला अधिकारियों का कहना है कि जमीनी विवाद के मामले में अदालत का आदेश या राजस्व के बिना पुलिस हस्तक्षेप नहीं करेगी

सोनिया देवी के निर्माण पर चरवा थाना के उपनिरीक्षक मुन्ना सिंह यादव मौके पर पहुंच गए और सोनिया के निर्माण को बल पूर्वक रोक दिया है अब सवाल उठता है कि क्या चरवा थाने के उप निरीक्षक को सोनिया देवी के निर्माण को रोकने के अधिकार है लेकिन उसके बाद भी चरवा थाने के उप निरीक्षक मनमानी पर उतारू है उन्हें अधिकारियों के आदेश निर्देश की परवाह नहीं है पुलिस द्वारा बलपूर्वक निर्माण रोक दिए जाने के बाद न्याय के लिए विधवा सोनिया देवी और उनकी बेटियां अधिकारियों की चौखट पर न्याय की गुहार लगा रही है लेकिन उप निरीक्षक के आरोपियों से साठगांठ के चलते विधवा सोनिया देवी को न्याय मिलता नहीं दिख रहा है जांच के दौरान उप निरीक्षक द्वारा निजी स्वार्थ और दबाव के चलते लगातार पुलिस अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है चरवा थाना पुलिस की स्थिति इस कदर खराब हो गई है कि अब वह डीजीपी को भी गुमराह करने से नहीं चूक रही है उप निरीक्षक द्वारा बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश या न्यायालय के स्थगन आदेश के बिना सोनिया देवी के निर्माण को बलपूर्वक रोकने के मामले को यदि पुलिस अधिकारियों ने संज्ञान लेकर जांच कराई तो उपनिरीक्षक के आरोपियों से साठगांठ का कारनामा उजागर होगा और उप निरीक्षक पर कठोर कार्रवाई हो सकती है।

तालाबों में लेखपाल द्वारा बनवाया जा रहा मकान

कौशांबी। मंझनपुर तहसील के ग्राम गोबरसाहई में गाटा संख्या 413 ख में भू माफिया द्वारा मकान बनाया जा रहा है तहसील प्रशासन के द्वारा लगभग एक माह पूर्व कानून गो को जांच दी गई और जांच में पाया गया कि तालाबी नंबर में बुधराम पुत्र पंछी और उसके पुत्र भैयान्न के द्वारा मकान बनाया जा रहा था जांच के दौरान कई जमीन पर कब्जा किया पाया गया था लेकिन लेखपाल के द्वारा मोटी रकम लेकर तहसील प्रशासन को फर्जी रिपोर्ट देकर गुमराह किया जा रहा है कि साहब किसी प्रकार का कोई कब्जा नहीं है भूमाफिया द्वारा क्षेत्रीय लेखपाल से लेनदेन करके कब्जा करवाया गया मुख्यमंत्री के जीरो टालेंस के नीति को लेखपाल ठेंगा दिखा रहा है मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर जो भी व्यक्ति तालाब नंबर पर अवैध रूप से कब्जा किया है उसे तहसील प्रशासन अतिशीघ्र खाली कराकर माफियाओं को कब्जे से जमीन वापस लेकर

उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन को सुरक्षित रखा जाए लेकिन मुख्यमंत्री के इस आदेश को गोबर सहाई के लेखपाल द्वारा ठेंगा दिखाया जा रहा है उनके किसी भी आदेश को नहीं पालन किया जा रहा है मुख्यमंत्री ने चकमार्ग और तालाबी नंबरों में अवैध रूप से कब्जा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करके जमीन को खाली कराने का निर्देश दिया लेकिन क्षेत्रीय लेखपाल तहसील के किसी भी अधिकारी को कुछ नहीं समझता वह कहता है कि मेरी सत्ता में बहुत पहुंच है मेरा कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता आप चाहे जिलाधिकारी या उप जिलाधिकारी किसी के पास जाएं मुझे फर्क नहीं पड़ता लेखपाल के इस रवैया से पूरे गांव में आक्रोश ब्याप्त है अगर तालाबी नंबर की जमीन को खाली नही कराया गया तो भूमाफिया इसी तरह कब्जे करके जमीन को क्रय विक्रय करने में सफल होते रहेंगे।

प्रशिक्षण-भत्ते प्राप्त करने के बाद अनुपस्थित 166 कार्मिको से धनराशि वसूली के साथ कठोर कार्यवाही की तैयारी

कौशाम्बी। प्रभारी अधिकारी (कार्मिक व प्रशिक्षण)/मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी ने अवगत कराया है कि लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए जनपद में विभिन्न श्रेणी के कार्मिकों को मतदान अधिकारी/पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। इन कार्मिकों को विधिवत प्रशिक्षण भी दिया गया और प्रशिक्षण के उपरान्त श्रेणीवार मानदेय उनके खाते में भेजा गया। इसके बाद तृतीय रेण्डमाईजेशन के उपरान्त अन्तिम रूप से उनके कार्य के लिए आदेशित किया गया और इसके लिए मतदान से पूर्व उनके खाते में मानदेय भी भेज दिया गया, किन्तु लगभग 166 कार्मिको ने प्रशिक्षण-भत्ते प्राप्त करने के बाद भी नवीन मण्डी स्थल ओसा-मंझनपुर में प्रस्थान के समय उपस्थित नहीं हुए, जिससे उनके स्थान पर दूसरे कार्मिकों को नियुक्त कर मतदान केन्द्रों में भेजना पड़ा। इस प्रकार इन कर्मचारियों ने अनिमितताये की है:भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के बावजूद आदेशों का उल्लंघन कर अनुपस्थित हुये। बिना कार्य के शासकीय धनराशि (मानदेय) हड़पना। मतदान कार्य में बाधा उत्पन्न करना। ऐसे कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट के आधार पर आरोप पत्र बनाकर भारत निर्वाचन आयोग को भेजने की तैयारी हो रही है, जिससे इनसे धनराशि वसूली हो सकें और उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जा सकें।

बेटी पिता को परिजनों ने बेरहमी से पीटा

चायल कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के पिपराहटा गांव में 23 मई को रात 8 बजे बांकेलाल ने अपनी पत्नी बेटों बेटी के साथ मिलकर अपने भाई लालचंद पुत्र रामदास और उसकी बेटी रीता देवी को गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से बेरहमी से पीट दिया है जिससे पिता पुत्री को चोट लगी हैं बताया जाता है कि दोनों भाइयों के बीच पहले से विवाद चल रहा है हमले में घायल पिता पुत्री ने मामले की सूचना थाना पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वसन दिया है।

सेंट फ्रांसिस स्कूल मे स्काउट गाइड तीन दिवसीय प्रथम सोपान जांच शिविर का हुआ समापन

भरवारी कौशाम्बी। सेंट फ्रांसिस स्कूल बेरुआ कौशांबी में भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जनपद कौशांबी के तत्वावधान में स्काउट गाइड प्रथम सोपान जांच शिविर के तीन दिवसीय जॉच शिविर का समापन दिनांक 24 मई 2024 को हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जितेंद्र प्रताप सिंह सेंट फ्रांसिस स्कूल बेरुआ विशिष्ट अतिथि विद्यालय के , सुभाष शर्मा, रंजना पांडे उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि को विद्यालय के स्काउट मास्टर कुलदीप कुमार सोनी ने अन्य अतिथियों को स्कार्फ पहना कर स्वागत किया स्काउट गाइड के द्वारा बनाए गए तंबुओं का अतिथिओ ने निरीक्षण किया और स्काउट गाइड का साहस और लगन देखकर अतिथियों ने बहुत सराहना किया साथ ही साथ मुख्य अतिथि जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्काउट गाइड को बताया कि स्काउटिंग गाइडिंग से छात्र-छात्राओं का शारीरिक मानसिक शैक्षिक का सर्वांगीण विकास होता है और निस्वार्थ भाव से सहयोग की भावना रहती है विशिष्ट अतिथि ने बताया कि किसी भी प्रकार की आपदाओं में स्काउट गाइड सहयोग करने में पूरी तरह से तत्पर रहते हैं और किसी भी प्रकार के आपदाओं में स्काउट गाइड सेवा और सहयोग के भावना से हमेशा तैयार रहते हैं।और कम से कम संसाधनों में अच्छी से अच्छी व्यवस्था बनाए रखते हैं। इस कार्यक्रम में जिला संगठन कमिश्नर श्याम बाबू यादव ने स्काउट गाइड को प्राथमिक चिकित्सा, गांठे, बंधन, सीटी के संकेत, खोज के चिन्ह आदि विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया ट्रेनिंग काउंसलर गाइड शिवानी सिंह ने ध्वज शिष्टाचार स्काउट गाइड उद्देश्य के बारे में प्रशिक्षण दिया विद्यालय के स्काउट मास्टर कुलदीप कुमार सोनी व अर्चना त्रिपाठी ने स्काउट गाइड को सैल्यूट, शिविर के नियम, ड्यूटी, रोटा चार्ट , स्काउट गाइड को झंडा गीत, प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञा, आदि के बारे में प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप कुमार सोनी ने किया। साथ ही साथ आभार व्यक्त किया। अंत में ध्वज अवतरण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संपादक की कलम से

चुनाव आयोग के सामने चुनौती

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश कहे जाने वाले भारत में इस समय हो रहे चुनावों में लोकतंत्र की साख ही खतरे में पड़ गई है। यह संभवतः पहली बार है जब आम चुनावों में जनता से जुड़े सारे मुद्दों के अलावा सबसे अहम मुद्दा संविधान की रक्षा का बन गया है। कांग्रेस नेता तो अब अपने प्रचार में बाकायदा संविधान की एक छोटी प्रति साथ ले जाने लगे हैं, जिसे लोगों को दिखाकर वे याद दिलाते हैं कि इस संविधान के कारण ही हमारे नागरिक अधिकार और लोकतंत्र सुरक्षित हैं। मगर भाजपा इस संविधान को ही बदलने का इरादा रखती है। प्रधानमंत्री मोदी इस आरोप को कई बार गलत ठहरा चुके हैं। लेकिन इस बार सात चरणों में हो रहे चुनावों में सत्तारुढ़ दल के साथ-साथ संवैधानिक संस्थाएं जिस तरह से काम कर रही हैं, उससे संविधान और जनाधिकार दोनों को लेकर चिंताएं उपजना स्वाभाविक है। चुनावों के ठीक पहले इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इसके आंकड़े उपलब्ध कराए। लेकिन बैंक ने इन आंकड़ों को सार्वजनिक करने में आनाकानी की। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को सख्ती दिखानी पड़ी और तब जाकर इस मामले की असलियत लोगों के सामने आई। इसी तरह कोविड काल में बनाए गए पीएम केयर्स फंड की जानकारी भी सार्वजनिक करने की मांग बार-बार उठती रही है। इस पर सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई, तो बताया गया कि यह सूचना के अधिकार के अंतर्गत नहीं आता है। जिस कोष में लाखों-करोड़ों रूपयों का दान लिया गया, उसका कोई लेखा-जोखा सार्वजनिक नहीं किया जा रहा, यह भी आश्चर्य की बात है। इसी प्रकार ईवीएम को लेकर भी कई सवाल उठे और वीवीपैट के मिलान की याचिका जब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई, तब चुनाव आयोग ने ईवीएम पर कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी जानकारी इससे पहले जनता को नहीं थी। और अब ऐसा ही एक और प्रकरण सामने आया है, जिसमें चुनाव आयोग ने जानकारी देने से इंकार किया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआ?) और कॉमन कॉज नाम की दो संस्थाओं ने अदालत में एक आवेदन देकर इस बार के चुनावों में मतदान के प्रतिशत के आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। लेकिन चुनाव आयोग ने इससे इंकार करते हुए कहा है कि फॉर्म 17सी के आधार पर प्रमाणित मतदान प्रतिशत डेटा साझा करने के लिए चुनाव आयोग कानूनन बाध्य नहीं है। आयोग ने अदालत में दिए अपने हलफनामे में कहा है कि वेबसाइट पर मतदान की संख्या बताने वाले फॉर्म 17सी को अपलोड करने से गड़बड़ियां हो सकती हैं। इमेज के साथ छेड़छाड़ की संभावना है। गौरतलब है कि फार्म 17 सी वह महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो हर मतदान केंद्र पर महत्वपूर्ण विवरण दर्ज करता है। इनमें इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की पहचान संख्या, मतदान केंद्र को सौंपे गए पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या और रजिस्टर (फॉर्म 17 ए) के अनुसार वास्तव में मतदान करने वाले मतदाताओं की कु ल संख्या शामिल होती है। इसके अतिरिक्त, यह उन मतदाताओं की संख्या को नोट करता है जिन्होंने रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद मतदान नहीं करना चुना या नोटा किया। यह जाहिर है कि कानून और जनता के विश्वास का हवाला देकर चुनाव आयोग हरेक बूथ पर डाले गए वोटों का आंकड़ा देने से इंकार कर रहा है, जबकि मतदान के बाद वह गिने गए वोटों का आंकड़ा बताता ही है। आयोग के इस रवैये पर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने आश्चर्य जताते हुए लिखा है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहाः फॉर्म 17 अपलोड करने का कोई कानूनी आदेश नहीं है जो मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकॉर्ड है। सचमुच चौंकाने वाला है! यदि गिने गए वोट अपलोड किए गए हैं तो डाले गए वोट क्यों नहीं अपलोड किए जा सकते? ऐसे आयोग पर हम कैसे भरोसा करें! इसी तरह आरटीआई कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज ने भी टिप्पणी की है कि ईसीआई भूल गया है कि हमारे लोकतंत्र में लोगों को सूचना का अधिकार है! वास्तव में चुनाव संचालन नियमों का नियम 93 लोगों को फॉर्म 17सी सहित चुनाव पत्रों का निरीक्षण करने और उनकी प्रतियां मांगने की अनुमति देता है। चुनाव आयोग के इंकार के बाद कानून के कई जानकार इस पर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल शुक्रवार को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी, तब देखना होगा कि आयोग डाले गए वोटों के आंकड़े सार्वजनिक न करने के और क्या तर्क पेश करता है। लेकिन फिलहाल उसके इंकार से एक बार फिर लोकतंत्र में पारदर्शी चुनाव कराने की उसकी जिम्मेदारी पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। यह भी संभवतः पहली बार ही हो रहा है कि किसी चुनाव में लगातार चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सड़क से लेकर अदालत तक बार-बार सवाल उठ रहे हैं।

कांशीराम के नाम पर राहुल को घेरने की कोशिश

प्रो. रविकान्त

अवसर की उपयोगिता के आग्रह का लाभ केवल बसपा ने ही नहीं उठाया। भाजपा ने बसपा का समर्थन करके और साझा सरकार बनाकर बहुजनों के मन में एक सॉफ्ट कॉर्नर बना लिया। जबकि कांशीराम और मायावती के निशाने पर लगातार कांग्रेस रही। कांग्रेस द्वारा बाबासाहब को भारत रत्न नहीं दिए जाने का मुद्दा बार-बार उठाया गया। इससे बहुजनों के बीच कांग्रेस की नकारात्मक पुख्ता हुई। क्या राहुल गांधी ने मान्यवर कांशीराम का अपमान किया है? यह सवाल इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि इस समय एक संक्षिप्त और एडिट वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। इसमें राहुल गांधी कांशीराम जी के बारे में टिप्पणी कर रहे हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि कांशीराम जी को, उनके पीछे खड़े दलितों की आवाज के जरिए समझने की आवश्यकता है। हिंदुत्ववादी कांशीराम और अंबेडकर को भगवान बना देंगे। लेकिन यह देखना चाहिए कि वे भगवान कैसे बने? राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि दलितों की आकांक्षाओं और संघर्षों के बिना कांशीराम कुछ भी नहीं हैं। 'कांशीराम कुछ भी नहीं हैंज, इस आखिरी वाक्य के आधार पर राहुल गांधी को ट्रोल किया जा रहा है। विशेषकर बहुजन-दलित नौजवानों के बीच यह बात प्रसारित जा रही है कि राहुल गांधी ने कांशीराम जी का अपमान किया है। हिन्दुत्ववादियों की यह पुरानी शैली है। गांधी के सामने डॉ अंबेडकर को खड़ा करके हिन्दुत्ववादियों ने सावरकर के लिए रास्ता तैयार किया। बहुजन तबका एक समय तक हिंदुत्ववादियों की इस चाल को नहीं समझ सका। इसका नतीजा यह हुआ कि गांधी और नेहरू की आलोचना करते हुए दलित बहुजन नहीं समझ पाया कि वह सावरकर और गोलवलकर के लिए राजपथ तैयार कर रहा है। वे भूल गए कि बाबा साहब ने हिंदुत्व के विचार की बहुत आलोचना की थी। हिंदू राष्ट्र के विचार को उन्होंने दलितों के लिए सबसे बड़ी आपदा बताया था। आरएसएस को पहचानते हुए ही उन्होंने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में संघ मुख्यालय के करीब हिंदू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अपनाया था। दलितों के लिए यह बाबासाहब का बड़ा संदेश था। 1980-90 के दशक में मान्यवर कांशीराम ने उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक आंदोलन के जरिए बहुजन राजनीति को सत्ता तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। 1995 में पहली बार बसपा ने भाजपा के बाहरी समर्थन से सरकार बनाई। मायावती देश की पहली दलित महिला मुख्यमंत्री बनीं। फिर 1997 और 2002 में भाजपा के साथ मिलकर मायावती ने सरकार बनाई। कांशीराम के राजनीतिक विमर्श में कांग्रेस की तीखी आलोचना थी। कांग्रेस केंद्र में सत्ताधारी पार्टी थी। अगड़ी जातियों से आने वाले नेताओं का कांग्रेस में प्रभुत्व था। कांशीराम का बहुजन विमर्श जातियों के वर्चस्व के खिलाफ था। अपने समर्थकों द्वारा साहब नाम से पुकारे जाने वाले कांशीराम ने डॉ. अंबेडकर की वैचारिकी को सत्ता पाने के लक्ष्य में तब्दील कर दिया। सत्ताधारी कांग्रेस की आलोचना करने के लिए कांशीराम ने डॉ. अंबेडकर और गांधी के बीच के विमर्श का बहुजनों में प्रचार किया। पूना पैक्ट (24 सितम्बर,1932) के संबंध में गांधी को बहुजनों के बीच खलनायक बना दिया गया। इस राजनीतिक विमर्श के कारण बहुजनों में गांधी, नेहरू और कांग्रेस के प्रति गहरी वितृष्णा हो गई। मान्यवर कांशीराम के आंदोलन के समानांतर भाजपा भी अपना प्रभाव जमाने की कोशिश कर रही थी। पिछड़ों के आरक्षण के खिलाफ अगड़ों में भड़की नफरत का राजनीतिक दोहन करने के लिए भाजपा ने राम मंदिर आंदोलन शुरू किया। कांशीराम भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को एक ही निगाह से देखते थे। वे कहते थे कि एक नागनाथ है तो दूसरा सांपनाथ। लेकिन कांग्रेस के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन बहुजनों में ज्यादा गहरा था।

जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं, समाधान का माध्यम बने

-ललित गर्ग-

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है।

वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दशार्ते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं।

भारत के गांवों में रहनेवाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले?

सच कहें तो हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। राजस्थान में जल-संकट की संभावनाओं को देखते हुए आम नागरिक खुद के स्तर पर व्यापक प्रयत्न करता है। रेगिस्तान से जुड़े अनेक गांवों एवं शहरों में बने या बनने वाले मकानों में कुआ जरूर होता है, जहां बरसात के पानी को एकत्र किया जाता है, जो संकट के समय काम आता है। इसलिये गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि एवं जल-संकट का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह, वाटर-पार्कों एवं होटलों में पानी के अपव्यय को रोकने के लिये जन-चेतना जागृत करने की अपेक्षा है।

हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली के साथ-साथ जल-संरक्षण का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे जल-संकट से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। सरकार व समाज मिलकर जल-संकट का मुकाबला कर सकते हैं। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही रेखांकित किया कि सभी राज्यों को मिलकर काम करना होगा तथा जल संरक्षण एवं उपयोग किये गये पानी को फिर से इस्तेमाल में लाने के उपाय करने होंगे। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगों के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा। स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा जुटाए डाटा में दशार्या गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें पायदान पर है। नीति आयोग ने कहा है, ह्यअभी 60 करोड़ भारतीय गंभीर से गंभीरतम जल संकट का सामना कर रहे हैं और दो लाख लोग स्वच्छ पानी तक पर्याप्त पहुंच न होने के चलते हर साल अपनी जान गंवा देते हैंह्ण इन जटिल एवं विकराल स्थितियों एवं डरावने तथ्यों के बावजूद हम पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है।

प्रेषकः

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25, आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
मो. 9811051133

राम को नहीं 'झुठाराम ' को हराना चाहता है देश

इस लोकसभा चुनाव में जितना मजा आ रहा है उतना मजा मैंने पिछले एक दर्जन लोकसभा चुनावों में नहीं उठाया। पहले चुनाव में जोकरों,मुंगेरी लालों,और शेखचिल्लियों ,और तो और धरती पकड़ों के लिए सीमित स्थान था। अब चौतरफा इन्हीं की गूँज है ,धूम है। कौन ,किसे क्या ,समझता है ये बता पाना कठिन है ,लेकिन एक बात मै दावे के साथ कह सकता हूँ कि इस चुनाव में ' राम ' नहीं बल्कि ' झूठाराम ' निशाने पर हैं और देश की जनता [जिसमें विपक्ष भी शामिल है] झूठाराम को हराना चाहती है। राम का नाम लेकर झूठाराम अपने आपको बचने की कोशिश कर रहे हैं।

चुनाव के छठवें चरण से ठीक पहले झूठाराम का आर्त्तनाद सुनाई दिया कि विपक्ष राम को चुनाव हराना चाहता है। सवाल ये है कि ये रामजी क्या सचमुच इस चुनाव में लोकसभा की 543 सीटों में से किसी एक पर ,किसी एक दल के या निर्दलीय प्रत्याशी हैं ? राम को हारने की एडवाइजरी पढ़ी तो मै पूरे दो दिन केंद्रीय चुनाव आयोग की वेबसाइट पर राम को तलाशता रहा । मुझे एक भी सीट पर दशरथ नंदन राम की और से दाखिल कोई पर्चा नजर नहीं आया। मेवाराम,सेवाराम,दाताराम,सियाराम,झुठाराम जैसे प्रत्याशी जरूर नजर आये। जब राम चुनाव लड़ ही नहीं रहे तो कोई उन्हें कैसे हरा सकता है?

राम को समझना आसान भी है और कठिन भी। राम दीनबंधु भी हैं और दीनानाथ भी। वे अपराजेय भी है। दशानन भी उन्हें हरा नहीं पाया । परशुराम भी उनके सामने युद्ध करने के बजाय शीश नवकार वापस रंगभूमि छोड़ गए थे। राम से लड़ना किसी के बूते की बात है ही नही। कांग्रेस और समूचे विपक्ष की तो बिसात ही क्या है ? कांग्रेस में या किसी भी दल में [भाजपा में भी] राम के सामने खड़े होने की कूबत किसी में भी नहीं है। हाँ रामनामी चादर ओढ़कर चुनाव लड़ने वालों से लड़ने और हारने की ताकत बहुतों में है। चुनावी जंग में कोई भी किसी का भी 'राम नाम सत्य है 'करने की ताकत और हैसियत रखता है भले ही उसके पास इलेक्टोरल बांड से मिला पैसा हो या न हो। हारा हुआ हर खिलाड़ी अंत में या तो अपनी माँ का नाम लेता है या राम का। छठवें चरण से ठीक पहले जो लोग राम का नाम ले रहे हैं वे सचमुच मन से हार चुके है। ऐसे मन से हारे हुए लोग आखिर में कह उठे हैं कि -' फलां साहब राम को हराना चाहते हैं। 'राम के नाम पर मतदाता को बरगलाने की ये आखरी कोशिश है ,क्योंकि इसके बाद यदि मतदाता ने अपना मन बना लिया तो रामजी भी उसे नहीं बदल सकते ,हाँ ईवीएम है जो ये काम कर सकती है। शायद यही वजह है कि केंचुआ देश कि सबसे बड़ी अदालत में हलफनामा देकर कह रहा है कि यदि -मतदान केंद्र स्तर के आंकड़े जाहिर किये गए तो देश में अराजकता फैल जाएगी। 'मेरे अनुभव में ये झूठी सरकार के झूठे केंचुए का अब तक का बोलै गया सबसे बड़ा झूठ है।

इस देश में अराजकता आंकड़ों से नहीं अदावत कि सियासत से फैल रही है । हिकारत की बोलियों से फैल रही है । एक जाति विशेष को ,एक दल विशेष को हौवा बनाकर खड़ा करने से फैल रही है। देश कि सबसे बड़ी अदालत इस झूठ का संज्ञान लेती है या नहीं ,मुझे नहीं पता। किन्तु देश इस झूठ का संज्ञान ले रहा है। सब जानते हैं कि मनुष्य निर्मित मशीने झूठ नहीं बोलतीं ,उनसे झूठ बुलवाया जाता है ,बुलवाया जा रहा है। मशीने आदमी की गुलाम है। वे चुनाव ही नहीं करतीं अब तो झाडू,पौंछा करने के साथ ही बर्तन भी धोतीं हैं। इसलिए मशीनों की और राम की आड़ लेकर न कोई जनाक्रोश से बच सकता है और न चुनाव की दशा और दिशा को मोड़ सकता है।

अपनी कहूँ तो मै आज भी बिना राम का नाम लिए,बिना राम कथा का परायण किये बिना अन्न-जल ग्रहण नहीं करता ,हालाँकि मै आज तक न अयोध्या गया और न श्रीलंका। मुझे पीले चावल देकर भाजपा वालों ने बुलाया भी था ,किराया भी दे रही थी लेकिन मैं नहीं गया। अयोध्या जाना या न जाना आपके रामभक्त होने के लिए आवश्यक नहीं है। तमाम कांग्रसी,समाजवादी ,वामपंथी भी अभी तक अयोध्या नहीं गए। चारों शंकराचार्य नहीं गए तो इसका अर्थ ये तो नहीं है कि सबके सब रामद्रोही है। या अयोध्या न जाने वाले लोग राम के ठेकदार झुठाराम और उनकी पार्टी को वोट नहीं देंगे।

इस चुनाव में झूठाराम को भी खूब वोट मिलेंगे लेकिन राम के नाम पर नहीं। जो वोट मिलेंगे वे हिन्दू-मुसलमान के नाम पर ,मंगलसूत्र के नाम पर ,भैंस के नाम पर मिलेंगे।तीन तलाक कानून या नारी शक्ति वंदना के नाम पर नहीं मिलेंगे। इसलिए जिन मतदाताओं को छठवें और सातवें चरण में मतदान का अवसर मिल रहा है वे इस गलतफमी का शिकार न हों कि झुठाराम के खिलाफ दिया उनका वोट राम के खिलाफ चला जाएगा। राम को आपके वोट कि जरूरत कभीं थी ही नहीं ,और न हैं न होगी। राम तो विरासत से ही राजाराम बने थे ।

सियासत में शेखचिल्ली की शिनाख्त

@ राकेश अचल

चुनाव का पूरा मौसम निकला जा रहा था और श्रीमती मेनका गांधी गुड़ खाकर बैठीं थीं। वे अपने बेटे वरुण गांधी का टिकिट काटने पर भी मिमियाकर रह गयीं थीं, लेकिन खुदा का शुक्र है कि वे अपने बेटे को तो नहीं पहचान पायीं लेकिन उन्होंने अपने रक्त संबंधी भतीजे राहुल गांधी को ठीक-ठीक पहचान लिया। बकौल मेनका जी राहुल गांधी शेखचिल्ली हैं। हम तो उन्हें पंडित राहुल गांधी मानते थे लेकिन वे भी शेख हैं ये अब पता चला।

भारत की राजनीति शेखचिल्लियों से भरी पड़ी है, लेकिन उन्हें पहचानने का जोखिम मेनका जी की तरह हर कोई नहीं लेता। जाहिर है कि यदि राहुल गांधी शेखचिल्ली हैं तो मेनका जी भी उसी परिवार की बहू हैं जिस परिवार के चश्मों-चिराग को मेनका जी के सबसे बड़े नेता शाहजादा कहते हैं। जब राहुल शेखचिल्ली हैं तो बिलासुबा उनके चचेरे भाई यानि मेनका जी के पुत्र वरुण गांधी भी पैदायशी शेखचिल्ली हुए। उनके पिता भी जाहिर है शेखचिल्ली ही रहे होंगे। जैसे खग ही खग की भाषा जानता है वैसे ही रक्त संबंधी ही अपने रक्त संबंधी को पहचान लेता है।

शेखचिल्ली होना कोई बुरी बात नहीं है। शेखचिल्ली को गाली या अपशब्द मानने वाले बुरे हैं। शेखचिल्ली एक ऐसा किरदार है जो हंसी-मजाक करते हुए भी बड़ी से बड़ी गुत्थी को सुलझा देता है। शेख चिल्ली का रिश्ता दुर्भाग्य से गुजरात से नहीं बल्कि हमारे उस हरियाणा से बताया जाता है जहाँ से हमारे मित्र अरुण जैमिनी आते हैं। हरियाणा के डीएनए में शेखचिल्लीपना भरा पड़ा है।

एक हरियाणवीं ही अपने आप पर हंस सकता है। लेकिन यदि शेखचिल्ली यूपी से है तो भी उसे हंसना -रोना खूब आता है। आप उसे गंगा किनारे रोते देख सकते हैं, क्रूज पर इंटरव्यू देते देख सकते हैं, या रायबरेली में हँसते हुए भी।

भारत की सियासत में यदि शेखचिल्ली न हों तो सियासत बेरौनक हो जाये। शायद इसीलिए हर दशक की सियासत में एक न एक शेखचिल्ली हमेशा मौजूद रहता है। देश को आपातकाल का स्वाद चखाने वाली प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी के जमाने में ठेठ समाजवादी राजनारायण को लोग शेखचिल्ली कहते थे, लेकिन उन्हीं राजनारायण ने इंदिरा जी का तख्ते ताउस [मयूर सिंहासन] पलट दिया था। राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी भी अपने जमाने के रंगरेज शेखचिल्ली वीपी सिंह के शिकार बने थे। और तो और 2014 में महान अर्थशास्त्री डॉ. मन मोहन सिंह को एक गुजराती शेखचिल्ली ने चारों खाने चित कर दिया था। नेहरू जी के जमाने में प्रख्यात समाजवादी चिंतक राम मनोहर लोहिया को शेखचिल्ली कहा जाता था।

मुझे लगता है कि मेनका जी अपने भतीजे की शिनाख्त करने में शायद इसीलिए अब तक भय खा रहीं थीं कि कहीं भाजपा वाले उनका शेखचिल्ली डीएनए देखकर टिकिट न काट दें। दरअसल भाजपा ने मेनका जी को तो टिकिट नारीशक्ति वंदन कानून का सम्मान करते हुए दिया है। उनके बेटे का टिकट तो काट ही दिया, क्योंकि वे शेखचिल्ली परिवार से जो आते हैं। मेनका जी का शुक्रिया अदा करना चाहिए राहुल गांधी को, लेकिन वे खामोश है। परिवार कि रिवायतें होतीं है। मेनका जी भले उनके साथ नहीं रहतीं, दूसरे दल में हैं, लेकिन हैं तो सगी चाची। राहुल के लिए मेनका के लिए शायद उतना ही सम्मान होगा जितना कि अपनी माँ श्रीमती सोनिया गाँधी के लिए है। इसलिए शायद राहुल गाँधी पलटकर जबाब नहीं देंगे। देना भी नहीं चाहिए।

सोनिया इटली से आतीं हैं लेकिन भारतीय माँ के सारे गुण जानतीं हैं। उन्होंने शायद एक बार भी अपनी देवरानी या भतीजे के लिए किसी हल्के शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। कम से कम वरुण गांधी को तो शेखचिल्ली नहीं कहा, लेकिन मेनका जी ने एक भारतीय माँ होते हुए भी अपनी मयार्दा तोड़ दी। मुमकिन है कि वे मजबूर हों। उनसे जबरन ये सब कहलाया गया हों। मुमकिन है कि उनके मन में राहुल को लेकर कोई कुंठा हो ? लेकिन यदि वे ये सब न भी कहतीं तो उन्हें भारतरत्न नहीं मिलने वाला था। वे भाजपा के लिए एक अतिथि कलाकार से ज्यादा न कल थीं और न आज हैं और न कल रहेंगीं।

भारत के लोग बहुत शिष्ट होते है। काने को को काना नहीं कहते। वे सम्मान से उसे 'एक नयन' कहते है। 'सूरदास' कहते हैं। इस समय देश के सबसे बड़े शेखचिल्ली को भी किसी ने आजतक शेखचिल्ली नहीं कहा। कांग्रेस ने भी नहीं कहा। ये शिष्टाचार के खिलाफ है। जनता सब जानती है कि कौन शेखचिल्ली है और कौन नहीं ? मेनका जी ने खामखां ये जहमत उठाई और देश को बताया कि उनका भतीजा यानि जेठानी का लड़का शेखचिल्ली है। अब है तो है। इसका खंडन कोई नहीं कर सकता। इसका खंडन देश कि जनता कर सकती है। देश को 4 जून को ही पता चल पायेगा कि शेखचिल्ली किस दल का बड़ा है ? इस बार के चुनाव लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के साथ ही श्रेष्ठ शेखचिल्ली के चयन के लिए भी हो रहे हैं।

चूंकि आज का मुद्दा शेखचिल्ली हैं इसलिए अपने पाठकों को बताता चलूँ कि असली शेखचिल्ली मुगल शहजादे दारा शिकोह के गुरु थे। शाहजहां खुद उनका बहुत सम्मान करते थे। मुगल बादशाह शाहजहां का बेटा दारा शिकोह शेख चिल्ली का बड़ा प्रशंसक था। उसने उनसे कई महत्त्वपूर्ण बातें सीखी। शेखचिल्ली को अब्दउर्र रहीम, अलैस अब्द उइ करीम, अलैस अब्द उर्र रज्जाक के नाम से भी जाना जाता था।

डीएम-एसपी ने स्ट्रांग रूम देख व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मैप अनुसार करें कार्य

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व सकुशल संपन्न कराने को 236 चित्रकूट व 237 मानिकपुर विधानसभा को बनाये स्ट्रांग रूम राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर का निरीक्षण किया।

शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने दोनों विधानसभाओं को मतगणना टेबल, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरा, ऑब्जर्वर रूम, फोन फैक्स मशीन, एआरओ टेबल, पीए सिस्टम, एजेंट व कर्मियों के वाहन पार्किंग आदि व्यवस्था का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने एडीएम एफआर से कहा कि जो मैप मतगणना का बनाया है, उसी अनुसार दोनों विधानसभा के लिए बैरिकेडिंग, छाया आदि की व्यवस्था करायी जाये। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। इस मौके पर एडीएम एफआर उमेश चन्द्र निगम, सीओ सिटी राजकमल समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

व्यवस्था देखते डीएम-एसपी।

ड्यूटी के भुगतान को दें पासबुक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। वरिष्ठ कोषाधिकारी/नोडल अधिकारी व्यय रमेश सिंह ने बताया कि कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी के जारी पत्र के अनुपालन में लोकसभा चुनाव के मतदान कर्मियों के पारिश्रमिक भुगतान ऑनलाइन जिला निर्वाचन कार्यालय से उपलब्ध कराये खातों में क्रमशः प्रथम प्रशिक्षण 24 अप्रैल, द्वितीय प्रशिक्षण 20 मई व वास्तविक मतदान ड्यूटी पर तैनात मतदान कर्मियों एवं आरक्षित ड्यूटी पर तैनात मतदान कर्मियों को पारिश्रमिक व हल्के नाश्ते की धनराशि 20 मई को भेजी गई है। उनसे कहा है कि किन्ही कारणों से किसी मतदान कर्मी/ आरक्षित कर्मी के खाते में धनराशि जमा नहीं हो सकी तो अपने ड्यूटी कार्ड व बैंक पासबुक की छायाप्रति जिला निर्वाचन कार्यालय चित्रकूट में तत्काल उपलब्ध करायें, ताकि मतदान पारिश्रमिक धनराशि का भुगतान किया जा सके।

महिला थाना ने दम्पति का विवाद सुलझाया

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने के प्रयास में महिला थाना पुलिस टीम ने पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर परिवार को टूटने से बचाया।

शुक्रवार को कोतवाली कर्वी के शंकरगंज मोहल्ले की श्रीमती अभिलाषा पत्नी सुशील ने पति सुशील पुत्र प्रीतम सोनकर के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज बाबत पत्र महिला थाना में दिया। थानाध्यक्ष की टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायत को सुन-समझकर दूसरे पक्ष को महिला थाना बुलाया। दोनों पक्षों को भविष्य में आपस में विवाद न करने व पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर दम्पति एक-दूसरे के साथ तालमेल से रहने व पारिवारिक दायित्यों का निर्वहन करने को कहा। टीम में थानाध्यक्ष महिला श्रीमती सविता सरोज, महिला सिपाही शिवानी सिंह, जूली देवी शामिल रही।

विवाद सुलझाती पुलिस टीम।

पुलिस ने दो को दबोच 14 किलो गांजा किया बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी राजकमल की देखरेख में भरतकूप पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से 14 किलो दस ग्राम गांजा समेत गिरफ्तार किया है।

ज्ञात है कि शुक्रवार को थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण सिंह पुलिस टीम के साथ रात्रि गश्त पर थे। भरथौल गांव की नहर पुलिया से जानकी प्रसाद तिवारी पुत्र स्व नारायणदत्त तिवारी पथरा थाना नयागांव जिला सतना मप्र को 12 किलो 950 ग्राम गांजा व दरोगा अजहर जमाल ने अमोल यादव पुत्र रामस्वरूप यादव कस्बा भरतकूप के कब्जे से एक किलो 60 ग्राम गांजा समेत गिरफ्तार किया। दोनों पर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। टीम में थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण सिंह, दरोगा यूटी उत्कर्ष कुमार सिंह, दरोगा अजहर जमाल व सिपाही संदीप लोधी शामिल रहे।

पुलिस गिरफ्त में गांजा कारोबारी।

दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ मांगों को लेकर करेगा आन्दोलन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ की प्रांतीय संयुक्त बैठक प्रान्तीय अध्यक्ष अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में लखनऊ में हुई। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ ने जिला न्यायालय के कर्मचारियों की पिछले कई वर्षों से लम्बित समस्याओं तथा न्यायालय में कार्यरत स्वीपर का मासिक वेतन छह हजार रुपये प्रतिमाह करने व अन्य कर्मियों के अन्तर्जनपदीय तबादले वर्षों से लंबित रखने, संविदा कर्मियों का वेतन बढ़ाने, नियमितीकरण करने की मांग उठाई।

शुक्रवार को बैठक में शेट्टी कमीशन की संस्तुतियों के विपरीत न्यायिक कर्मियों के पद व वेतन मंजूर न होने व न्यायिक कर्मियों को 2013 में वर्दी देने के शासनादेश का पालन न होने, विभागीय नियमावली में संविदा पद न होने के बाद भी एफटीसी न्यायालय में संविदा पद सृजित करने की समस्याओं के निराकरण को चरणबद्ध आंदोलन करने के निर्देश मिले हैं। कर्मचारियों बाबत समस्याओं पर विचार-विमर्श को 28 मई को प्रत्येक जिला शाखा में सभी संघों की संयुक्त बैठक करने के निर्देश मिले हैं। सदस्यों के हस्ताक्षर बाद प्रतिलिपि प्रांतीय संघ को भेजी जायेगी। बैठक में प्रांतीय संरक्षक नृपेन्द्र सिंह, प्रांतीय महासचिव नरेन्द्र विक्रम सिंह, बृजकिशोर शर्मा, मुकेश कुमार, जयेश मिश्रा, अशोक सिंह, श्रीमती कुमकुम, दुर्गेश श्रीवास्तव, समरजीत सिंह, श्रीमती सुनीता सिंह, महेश्वर किशोर सिंह, अखिलेश प्रकाश, मनोज कुमार व मो अनस अंसारी आदि मौजूद रहे। ये जानकारी दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जानकीशरण प्रजापति व प्रांतीय संयुक्त सचिव/महासचिव मो अनस अंसारी ने दी है।

बैठक करते दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

मानकविहीन बन रही इटवां की सडक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य अनुज सिंह यादव ने सूबे के लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में कहा कि 16 सौ मीटर सड़क मानकविहीन बनाई गई है।

शुक्रवार को सपा राज्य कार्यकारिणी सदस्य अनुज सिंह यादव ने सूबे के लोनिवि के प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में कहा कि लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड प्रथम ने इटवां सम्पर्क मार्ग से ककरौहली पुरवा तक 16 सौ मीटर पेटिंग कार्य किया है। मानक का ध्यान नहीं दिया। गड्ढों में मिट्टी डालकर पेटिंग की जा रही है। पेटिंग में डामर का इस्तेमाल नाम मात्र को किया है। इससे सड़क बनने के बाद ही उखड रही है।

उन्होंने मांग किया कि 16 सौ मीटर सड़क की मानकविहीन पेटिंग की उच्च स्तरीय टीएसी जांच करायी जाये, ताकि भ्रष्टाचार पूर्ण ढंग से बनाई सडक का खुलासा हो सके।

बनते ही उखडने लगी सडक।

परिक्रमा मार्ग में चौतरफा अतिक्रमण

सीएम के निर्देश के बाद नहीं हटाये जा रहे पक्के निर्माण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भगवान राम की तपोभूमि धर्मनगरी चित्रकूट में परिक्रमा मार्ग से सीएम के सख्त आदेश के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका है। हर बार अतिक्रमण हटाने के नाम पर जब भी वन विभाग ने प्रशासन की मदद से अभियान चलाया है, उसमें केवल गुमटियां हटाई गई हैं। यह गुमटियां भी कुछ दिन बाद दोबारा वन विभाग की मिलीभगत से उसी स्थान पर बन जाती हैं। जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के रहमोकरम पर पहाड़ की तरफ दुकानें सजी हैं।

शुक्रवार को यूपी क्षेत्र में साक्षी गोपाल मंदिर से लेकर पीली कोठी तक परिक्रमा मार्ग आता है। करीब दो किमी तक यूपी क्षेत्र के परिक्रमा पथ पर लगभग सौ दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। हद इस बात की है कि पर्वत की तरफ लगातार अतिक्रमण बढ़ रहा है। जिससे ज्यादातर स्थानों में पर्वत नहीं नजर आता। अपनी मन्नतें पूरी करने को लाखों आस्थावान जिस कामदगिरि की परिक्रमा लगाते हैं, वो अतिक्रमण कर सजी दुकानों की वजह से ओझल होता जा रहा है। खास बात ये है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साढे तीन वर्ष पहले खुद परिक्रमा लगाने के दौरान अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश दिए थे। जिसमें स्थाई व अस्थाई तौर पर होने वाले अतिक्रमण को हटाने के लिए निर्देशित किया था। कई बार वन विभाग ने प्रशासन की मदद से अतिक्रमण हटाने को अभियान चलाया। हर बार ये अभियान सिर्फ कुछ गुमटी वालों तक सीमित रहा है। बाद में यही फिर से उसी स्थान पर बन जाती है। सूत्रों की मानें तो वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी अतिक्रमणकारियों से वसूली करने में जुटे हैं। कुछ माह पहले वन विभाग ने खानापूरी के नाम पर परिक्रमा मार्ग से दुकानदारों का टीन-टप्पर हटाया था। फिर भी अतिक्रमणकारी उस जगह पर डेरा जमाए रहे। अब बरसात के पहले हटाई गई दुकानें फिर से तैयार की जाने लगी हैं। बरहा हनुमान मंदिर के आगे पर्वत की तरफ कई गुमटियों व कच्चे निर्माण को हटाया गया था। मौजूदा समय पर यहां वन विभाग की मिलीभगत से दुकानदार फिर अपनी गुमटियां तैयार करने में जुटे है। कर्वी के वन क्षेत्राधिकारी नफीस अहमद का कहना है कि वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण नहीं हो रहा है। कुछ लोगों के मामले न्यायालय व उच्चाधिकारियों के स्तर पर निस्तारण के लिए लंबित है। ऐसे लोग ही पहले से काबिज हैं। पूर्व में जिनको हटाया गया है, अब वहां पर अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा।

परिक्रमा मार्ग में चलता ट्रैक्टर।

मुंडन संस्कार से लौट रहा ट्रैक्टर पलटा, एक दर्जन घायल

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। राजापुर थाने के कछियापुरवा मजरा हरदौली के राकेश पुत्री अर्पिता मुकेश पुत्र मयंक के मुंडन संस्कार को गांव के राजकुमार निषाद के टैक्टर से रिश्तेदारों के साथ चैंसठ माता मंदिर लोहदा थाना पहाड़ी आये थे। मुंडन संस्कार के बाद देर शाम लौट रहे थे। लोहदा गांव स्थित दुबे पुरवा के पास मोड़ पर चालक के नियंत्रण खो देने से टैक्टर खाई में पलट गया। उसमें सवार राजकुमारी पत्नी इन्द्रजीत दरसेडा, इन्द्रजीत पुत्र सिद्धगोपाल दरसेडा, सखिया पत्नी भैरों नांदी, किरन पुत्री रामश्रय कछिया पुरवा, भोडी पत्नी देवनारायण रैपुरा, सांवरिया पत्नी ननकू ब्यास बन्ना, पीयूष व आयुष पुत्र राजनारायन रैपुरा, निर्मला पत्नी शारदा, भोला पत्नी बाबूलाल कछिया पुरवा घायल हो गये। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक श्याम प्रताप सिंह पटेल ने पहुंच घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी भेजा। आधा दर्जन लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भेजे गये।

अस्पताल में भर्ती घायल।

लोक अदालत के प्री-ट्रायल की तिथियां निर्धारित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से मिले निर्देश में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अगुवाई में सचिव/अपर जिला जज श्रीमती नीलू मेनवाल के निर्देश पर पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती ममता वर्मा ने धौरहीमाफी गांव में विधिक साक्षरता शिविर लगाया। शुक्रवार को पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती ममता वर्मा ने बाल रक्षा, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीडन, एससी/एसटी एक्ट, शिक्षा अधिकार, हाईजीन विषयक की जानकारी दी। सम्बन्धित पम्पलेट बांटे। 13 जुलाई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में लोगों को जानकारी दी।

इस मौके पर ग्राम पंचायत अधिकारी आशुतोष कुमार, प्रधान देवीदीन, कम्प्यूटर सहायक उर्मिला देवी आदि ग्रामीणों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नीलू मेनवाल ने बताया कि मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी कृष्ण यादव ने 13 जुलाई को होने वाली लोक अदालत की सफलता को चार जून, 12 जून, 18 जून, 26 जून, 29 जून व तीन जुलाई को प्री-ट्रायल बैठक की तिथियां निर्धारित की हैं। वादों से सम्बन्धित पक्षकारों, अधिवक्ताओं, बीमा कम्पनी के अधिकारियों आदि को न्यायाधिकरण के समक्ष प्री-ट्रायल बैठक में सुलह-समझौता को नियत किया है।

हादसे में बालक की हुई मृत्यु

पहाड़ी/चित्रकूट। थाना सरधुवा के नहरा के संजीव उर्फ दद्दा (15) पुत्र नर्वदा प्रसाद यादव मौसी के लड़के अखिलेश पुत्र संतोष निवासी भोला पुरवा थाना पहाड़ी के साथ मोटरबाइक से देर शाम को मौसी के घर जा रहा था। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुचारम के पास पहुंचते ही पहाड़ी की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी लाये गये। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर हुए। जिला अस्पताल में संजीव उर्फ दद्दा की मृत्यु हो गई। बालक की मृत्यु से परिजनों में कोहराम मचा है।

बूथ कार्यकर्ता की रिपोर्ट पर जीत-हार का अनुमान

गढ़ीवा में पड़े 80.90 फीसदी व बरुआ में सबसे कम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। लोकसभा चुनाव के मतदान पूरे होने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अब हार-जीत को लेकर अनुमान लगा रहे हैं। बूथ स्तर से कार्यकर्ताओं की दी रिपोर्ट पर सम्भावित चुनाव परिणाम निकाले जा रहे हैं।

शुक्रवार को मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र के गढ़ीवा गांव के बूथ में सर्वाधिक 80 फीसदी मतदान हुआ है। सबसे कम मतदान रामनगर के बरूआ बूथ में 32.45 फीसदी हुआ है। इस गांव में सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कई घंटे तक मतदान का बहिष्कार किया था। बांदा-चित्रकूट सीट पर हुए मतदान में भीषण गर्मी के बाद पिछले दो लोकसभा चुनाव का मतदाताओं ने रिकार्ड तोड़ दिया है। जिले की दोनों सीट चित्रकूट व मानिकपुर में 45 डिग्री तापमान के बीच मतदाताओं ने खुलकर मतदान किया। दोनों जगह ज्यादा मतदान हुआ है। लोकसभा चुनाव में जिले की दोनों विधानसभा चित्रकूट व मानिकपुर में भीषण गर्मी के बाद भी मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर वोट डाला है। चित्रकूट विधानसभा में 60.75 फीसदी व मानिकपुर विधानसभा में 57.30 फीसदी वोट पड़े हैं। मानिकपुर विधानसभा में जिला मुख्यालय के समीप स्थित गढ़ीवा गांव में 80.90 फीसदी मतदान हुआ।

यहां 424 में से 343 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया है। मानिकपुर विधानसभा के बरूआ गांव में सबसे कम वोट पड़े हैं। यहां प्राथमिक विद्यालय बरूआ में 32.45 फीसदी मतदान हुआ। यहां के 1134 मतदाताओं में से 368 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। इसी गांव में मतदान को सवेरे साढ़े आठ बजे तक 1100 से अधिक मतों में सिर्फ 14 मत पड़े थे। ग्रामीणों ने सड़क बनवाने की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर दिया था। छह घंटे तक मतदान नहीं हुआ। अधिकारियों के भरोसे पर शाम को मतदान शुरू हुआ। मतदान बाद सभी राजनीतिक दलों ने बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से रिपोर्ट ली है। इसी रिर्पोअ के आधार पर हार-जीत का अनुमान लगाया जा रहा है।

भागवत कथा जीवन जीने की सिखाती कला

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ तहसील के डोंड़ियामाफी में द्विवेदी परिवार के घर पर श्री राधा रानी की असीम कृपा व पितरों के अतुलित आशीर्वाद से कण-कण में निहित लीलाधारी श्रीकृष्ण की लीलाओं के रसपान को श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का स्व आदित्य द्विवेदी की स्मृति में हुए आयोजन में पहले दिन श्रीमद्भागवत महात्म्य कथा व राजा परीक्षित के श्राप तथा बराह भगवान अवतार, दूसरे दिन कपिल भगवान की कथा, जड़ भरत की कथा, शिव पार्वती विवाह, तीसरे दिन अजामिल कथा, विश्वरूप चरित्र नरसिंह अवतार, चतुर्थ दिन समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम जन्म कथा, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, पांचवें दिन श्रीकृष्ण बाल लीला, श्री गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग, छठवें दिन श्री महारास उद्धव चरित्र, श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह व अंतिम दिन सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई गई। कथा वाचिका देवी जया गौतम चित्रकूट धाम ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने से जीवन में भक्ति, ज्ञान व वैराग्य होता है। ये सभी पापों से मुक्ति दिलाते है। धुंधकारी जैसे पापियों का भी उद्धार हो गया। जीवन में श्रीमद्भागवत कथा श्रवण से बहुत परिवर्तन होता है। ये जीवन जीने की कला सिखाती है। मुख्य कथा श्रोता रन्नू द्विवेदी समेत अंजनी द्विवेदी, आत्मानन्द द्विवेदी, कृष्णा द्विवेदी आदि सैकड़ों श्रोता मौजूद रहे।

गड्ढा मुक्त अभियान की पोल खोलती सडक

खपटिहा के औंझर मोड सम्पर्क मार्ग की दुर्दशा

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ-मानिकपुर विधानसभा के मऊ क्षेत्र खपटिहा गांव के औंझर मोड़ से खपटिहा गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग की दुर्दशा की पोल खोलती गड्ढा युक्त सडकें नजर आ रही हैं। इस संपर्क मार्ग की बदहाल तस्वीरें ये बताने को काफी हैं। क्षेत्रीय विकास को जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग कितने गंभीर हैं।

शुक्रवार को एक दशक से सडकें जीर्णोद्धार के इंतजार में विकास की बाट जोह रही है। खपटिहा संपर्क मार्ग बेबसी पर आंसू बहाता दिख रहा है। बारिश के समय इसी सडक में जगह-जगह जलभराव होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। रोड खराब होने से राहगीरों को आवागमन में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। सबसे ज्यादा दिक्कत तो तीमारदारों व बच्चों को होती है। दर्जन भर से अधिक गांवों के लोग इसी मार्ग से मऊ व लालतारोड आते हैं। औंझार मोड़ से खपटिहा नदी तक डेढ़ किमी तक बेहद खराब जर्जर रास्ते में अक्सर लोग गिर जाते हैं।

जुलाई में स्कूल खुल जाने से बच्चे इसी दुर्गम रास्ते से रोज आते-जाते हैं। खपटिहा गांव के रहने वाले छात्र नेता अंकित द्विवेदी ने कहा कि रास्ता इतना खराब है कि लोग संभल-संभल कर चलते हैं। इसके बाद भी चोटहिल हो जाते हैं। कई वर्षों से ये सड़क इसी तरह है। बीच में काम शुरू हुआ, पता नहीं किन कारणों से बंद हो गया। लोगों का कहना है कि जल्द सड़क बनवाई जाये, ताकि लोगों को राहत मिल सके। सड़क बन जाने से स्थानीय व्यापार भी बढ़ेगा। आसपास के गांवों से आने वाले तीमारदारों को कम समय में चिकित्सा मिल सकेगी। समय से इलाज को मऊ आ सकेंगे।

घटिया सड़क।

काम देखने नहीं आये अफसर

मऊ/चित्रकूट। खपटिहा गांव के पूर्व प्रधान दिलीप द्विवेदी ने कहा कि पूर्व में सड़क पर गुणवत्ताविहीन काम हो रहा था। अचानक ठेकेदार ने काम बंद कर दिया। लोनिवि से बनने वाली इस सड़क को अधिकारी कभी देखने तक नहीं आये। सड़क निर्माण कार्य की जांच हो व दोषियों पर कार्रवाई हो।

पूर्व प्रधान।

सिंगापुर एयरलाइंस की टबुर्लेंस के दौरान घायल हुए 20 से अधिक यात्रियों की रीढ़ की हड्डी में चोट, इलाज जारी

बैंकॉक: थाईलैंड में गंभीर टबूर्लेंस के कारण लंदन-सिंगापुर उड़ान को बैंकॉक की ओर मोड़ने के बाद त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार बचाव दल के सदस्य. (अढ)

सिंगापुरः मंगलवार को लंदन से सिंगापुर एयरलाइंस की उड़ान में टबूर्लेंस के दौरान दर्जनों लोग घायल हो गये. इन घायलों में 20 से अधिक लोगों को रीढ़ की हड्डी में चोटें आईं. सीएनएन ने बैंकॉक के एक अस्पताल के हवाले से यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि कुछ यात्रियों का इलाज किया गया.

पत्रकारों से बात करते हुए, अस्पताल के निदेशक, समितिवेज श्रीनाकारिन ने कहा कि रीढ़ और रीढ़ की हड्डी की समस्याओं वाले 22 मरीज, खोपड़ी और मस्तिष्क की चोटों वाले छह मरीज, और हड्डी, मांसपेशियों की चोट वाले अन्य 13 मरीजों का स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल में चल रहा है. डॉक्टर ने आगे कहा कि 17 मरीजों की सर्जरी की गई, जिसमें टांके लगाने से लेकर रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन तक शामिल है.

सीएनएन ने फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा का हवाला देते हुए बताया कि लंदन से सिंगापुर जा रही फ्लाइट SQ321 मंगलवार को 37,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी, तभी कई सौ फीट ऊपर चढ़ने से पहले विमान तेजी से गिरा. इसके बाद विमान लगभग एक मिनट तक नीचे गिरता और चढ़ता रहा. घटना के वक्त कई यात्री नाश्ता कर रहे थे.

बैंकॉक में आपातकालीन लैंडिंग के बाद, विमान के अंदर के वीडियो और छवियों से पता चला कि कितना नुकसान हुआ था, सामान रखने की जगह वाले ऊपरी डिब्बे खुले हुए थे और आपातकालीन ऑक्सीजन एयर मास्क सीटों के ऊपर लटक रहे थे. एक तस्वीर में छत का एक हिस्सा खुला हुआ दिख रहा है, जिसमें विमान के अंदरूनी हिस्से नीचे लटक रहे हैं.

घटना के बाद, 211 यात्रियों और 18 चालक दल को ले जा रहे विमान को बैंकॉक की ओर मोड़ दिया गया, जहां एम्बुलेंस और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल इंतजार कर रहे थे. इससे पहले, अस्पताल ने कहा था कि विमान में घायल होने वालों में ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, स्पेन और आयरलैंड के लोग शामिल थे.

सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, विमान में घायल हुए कुल 71 यात्रियों में से 55 अभी भी अस्पतालों में हैं, जिनमें से 40 समितिवेज श्रीनाकारिन अस्पताल में हैं. ज्योफ किचन (73) नाम के एक ब्रिटिश व्यक्ति की विमान में ही मृत्यु हो गई, जो पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित था. हालांकि अस्पताल के अधिकारियों ने अभी तक उनकी मौत के कारण की पुष्टि नहीं की है. मूल उड़ान में सवार यात्रियों और चालक दल में से 143 यात्रियों को बुधवार सुबह सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से भेजी गई राहत उड़ान से सिंगापुर भेजा गया.

पन्नू मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता की याचिका खारिज

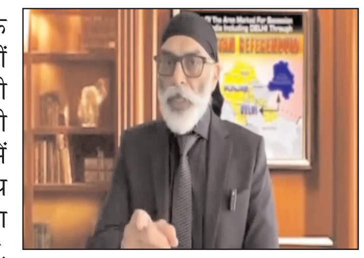

लंदन : चेक की संवैधानिक अदालत ने अमेरिकी सरजमीं के खिलाफ एक खालिस्तानी चरमपंथी की कथित हत्या की साजिश रचने के मामले में अपनी प्रत्यावेदन के साथ भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता की याचिका खारिज कर दी. गुप्ता चेक की राजधानी प्राग की एक जेल में कैद हैं.

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने गुप्ता (52) के खिलाफ पिछले वर्ष नवंबर में मुकदमा दाखिल किया था. गुप्ता पर भारत सरकार के एक कर्मचारी के साथ मिलकर खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने का आरोप है. पन्नू अमेरिका में रहता है और उसके पास अमेरिकी और कनाडा की दोहरी नागरिकता है.

गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक गणराज्य के प्राग से गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह जेल में है. अमेरिकी सरकार उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही है.

चेक संवैधानिक अदालत ने प्रत्यर्पण के खिलाफ गुप्ता की याचिका पर सुनवाई की. अदालत ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'संवैधानिक अदालत को ऐसी किसी परिस्थिति का भान नहीं हुआ, जिसमें प्रत्यर्पण को मंजूर करने से संवैधानिक मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का किसी भी प्रकार का उल्लंघन होता हो.'

संवैधानिक अदालत ने कहा कि इसने व्यवस्था दी है कि अधीनस्थ अदालत ने प्रत्यर्पण को रोक सकने वाले सभी पहलुओं पर पूर्ण रूप से विचार किया. इतना ही नहीं इसने इन दलीलों को भी खारिज कर दिया कि यह मामला राजनीतिक था.

संवैधानिक अदालत ने कहा, 'चेक अदालत के समक्ष शिकायतकर्ता की याचिका पर सुनवाई यहां समाप्त होती है.' अदालत ने कहा कि वह 'म्युनिसिपल कोर्ट' और 'द हाई कोर्ट' का आदेश बरकरार रखते हुए प्रत्यर्पण को मंजूरी देने पर आम आदलतों के फैसले की पुष्टि करती है। अदालत ने सुनवाई से पहले हिरासत से रिहा करने की गुप्ता की अर्जी को खारिज करने के स्थानीय अदालत के फैसले को भी बरकरार रखा. बयान के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने संवैधानिक अदालत के समक्ष कहा कि अदालतों ने उन सभी आवश्यक परिस्थितियों पर गौर नहीं किया, जो प्रत्यर्पण में रुकावट बन सकती थीं. चेक गणराज्य की एक अदालत ने जनवरी में फैसला दिया था कि गुप्ता को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है.

स्पेन में ढही रेस्तरां की दीवार, कम से कम चार लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

मैड्रिड : स्पेन के मालोर्का द्वीप पर समुद्र तट पर स्थित एक रेस्तरां के गुरुवार को आंशिक रूप से ढह जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई. इस हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हो गये. अधिकारियों ने कहा कि अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है.

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाले ब्रॉडकास्टर आरटीवीई के वीडियो और अन्य समाचार आउटलेट्स की छवियों से पता चलता है कि छतों के कम से कम कुछ हिस्से जमीन पर गिर गए थे. बचावकर्मी पीड़ितों को मलबे से बाहर निकालने के लिए काम करते हुए दिख रहे हैं. यह स्पष्ट नहीं है कि छतों के पीछे की कोई संरचना भी गिरी है क्या. रिपोर्ट के मुताबिक, घटना गुरुवार रात लगभग 8 बजे (स्थानीय समय) हुई.

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना से पहले ली गई तस्वीरों से पता चला है कि रेस्तरां, मेडुसा बीच क्लब में तीन स्तर थे, मध्य और ऊपरी मंजिल पर बड़ी छतें थीं जो खंभों पर टिकी हुई थीं. एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, मेजरका की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि चार लोगों की मौत और 21 के घायल होने की पुष्टि हुई है. हालांकि, स्पैनिश समाचार आउटलेट्स ने बाद में बताया कि अधिकारियों ने घायल लोगों की संख्या बढ़ाकर 27 कर दी है. अधिकारियों ने पीड़ितों की राष्ट्रीयता के बारे में विवरण साझा नहीं किया है.

एक्स पर एक पोस्ट में स्पेन के प्रधान मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि वह राहत कार्यों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. सांचेज ने आगे कहा कि उन्होंने स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं को राष्ट्रीय सरकार के सभी संसाधन देने की पेशकश की है. मालोर्का भूमध्य सागर में स्पेन के बेलिएरिक द्वीपों में सबसे बड़ा द्वीप है, जो एक लोकप्रिय रिसॉर्ट स्थल है जहां साल भर उत्तरी यूरोप के पर्यटकों की भीड़ रहती है.

फलीस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देंगे नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन

गाजा पट्टी में इस्राएल की सैन्य कार्रवाई के बीच यूरोप के तीन देश आजाद फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने जा रहे हैं. इस्राएल ने इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए, अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है.

आयरलैंड, स्पेन और नॉर्वे ने 28 मई को आजाद फलीस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की घोषणा कर दी है. आयरलैंड के प्रधानमंत्री साइमन हैरिस के मुताबिक यह कदम तीन देशों ने तालमेल के साथ उठाया है. हैरिस ने इसे "आयरलैंड और फलीस्तीन के लिए एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिन" करार दिया.

आइरिस प्रधानमंत्री के मुताबिक उन्होंने इस बारे में विश्व के कई अन्य नेताओं से बातचीत की है और उन्हें लगता है कि आने वाले दिनों में अन्य देश भी यही कदम उठाएंगे. इसके साथ ही हैरिस ने यह भी कहा कि आयरलैंड स्पष्ट रूप से इस्राएल को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देता है और "पड़ोसियों के उसके साथ सुरक्षित और शांतिपूर्ण संबंधों", उसके अस्तित्व के अधिकार को मानता है. आयरलैंड ने गाजा में बंधक बनाए गए सभी लोगों की तुरंत रिहाई की मांग भी की.

स्पेन की सरकार ने भी 28 मई को आजाद फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने का एलान किया है. स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने बुधवार को स्पैनिश संसद को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी.

बिल्कुल ऐसा ही तारीखी एलान उत्तरी यूरोप के समृद्ध देश नॉर्वे ने भी किया. वहां प्रधानमंत्री योनास गास्टोरे 28 मई को आजाद फलीस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की घोषणा करते हुए कहा, "अगर इसे मान्यता नहीं दी जाएगी तो मध्य पूर्व में शांति नहीं हो सकती.।"

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

चीन के सैन्य अभ्यास से बढ़ा तनाव, ताइवान ने संयम बरतने का किया आग्रह

नई दिल्लीः ताइवान ने चीन से आत्म-संयम बरतने और ताइवान जलडमरूमध्य और उससे आगे शांति और स्थिरता को कमजोर करना बंद करने का आग्रह किया है. चीन ने 23 मई को ताइवान के आसपास ज्वाइंट स्वॉर्ड-2024ए नाम से दो दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है.

'एक्स' पर एक पोस्ट में विदेश मंत्रालय आरआईसी (ताइवान) ने कहा, 'ताइवान के आसपास सीपीसी के सैन्य अभ्यास से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है. हम चीन से आग्रह करते हैं कि वह आत्म-संयम बरते और ताइवान जलडमरूमध्य और उससे आगे शांति और स्थिरता को कमजोर करना बंद करे. हम क्रॉस-स्ट्रेट यथास्थिति की रक्षा करना जारी रखेंगे और अपने लोकतंत्र को मजबूती से बनाए रखेंगे.'

विदेश मंत्रालय ने कहा, यह सभी के लिए स्पष्ट है कि ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता अंतरराष्ट्रीय सहमति का विषय बन गई है. ताइवान के विदेश मंत्रालय ने खेद व्यक्त किया कि चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य में विकास पर निरंतर और मजबूत अंतरराष्ट्रीय चिंता के बावजूद, ताइवान के लोकतंत्र को बार-बार धमकी दी है और एकतरफा रूप से क्रॉस-स्ट्रेट यथास्थिति और भारत-प्रशांत में शांति और स्थिरता को बाधित किया है.

उन्होंने कहा कि 'चीन गणराज्य (ताइवान) क्रॉस-स्ट्रेट यथास्थिति की रक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा और चीन से तर्क की राह पर लौटने और आत्म-संयम दिखाने का आग्रह करता है, ताइवान स्ट्रेट में एकतरफा शांति और स्थिरता को कमजोर करने से रोकने और ऐसी कार्रवाइयों से परहेज करने का आग्रह करता है.

एमओएफए ने दोहराया कि ताइवान मजबूती से लोकतंत्र को कायम रखना जारी रखेगा. यह प्रतिबद्धता किसी भी दबाव या दमन के परिणामस्वरूप नहीं बदलेगी. ताइवान वैश्विक लोकतंत्र और स्वतंत्रता का गढ़ है. आगे बढ़ते हुए यह कहा कि ताइवान स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों की संयुक्त रूप से रक्षा करने, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने, क्रॉस-स्ट्रेट यथास्थिति की रक्षा करने और भारत में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए समान विचारधारा वाले भागीदारों के साथ सहकारी संबंधों को मजबूत करना जारी रखेगा.

अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है, क्योंकि जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रखना इसमें शामिल सभी पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है.

चीन ने ये आरोप लगाया : इस बीच, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने शुक्रवार को कहा कि ताइवान के आसपास चीन का सैन्य अभ्यास द्वीप पर 'सत्ता पर कब्जा' करने की उसकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए बनाया गया है क्योंकि उसकी सेना ने अपने लोकतांत्रिक पड़ोसी को घेरने के लिए बड़े पैमाने पर अभ्यास के दूसरे दिन शुरूआत की. यह अभ्यास एक वर्ष से अधिक समय में सबसे बड़ा है और ताइवान द्वारा अपने नए राष्ट्रपति लाई चिंग-ते को शपथ दिलाने के कुछ ही दिनों बाद शुरू हुआ है. गौरतलब है कि बीजिंग ने लाई को एक खतरनाक अलगाववादी के रूप में निंदा की है और सोमवार को उनके उद्घाटन भाषण की निंदा की है. उन्होंने चीन से ताइवान को डराना बंद करने का आह्वान किया, जो चीनी नेता शी जिनपिंग के तहत और अधिक स्पष्ट हो गया है.

चीन ने गुरुवार सुबह सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया, ताइवान और उसके दूरदराज के द्वीपों के आसपास युद्धपोत और लड़ाकू जेट भेजे, जिसे उसने ताइवान इंडिपेंडेंस फोर्स के अलगाववादी कृत्यों के लिए कड़ी सजा कहा.

यूरोपीय संघ के साथ-साथ अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य लोकतंत्रों के सांसदों ने भी गुरुवार को ताइवान के आसपास मुख्य भूमि चीन के आक्रामक सैन्य अभ्यास की आलोचना की, चेतावनी दी कि अभ्यास से क्षेत्र को अस्थिर करने और क्रॉस-स्ट्रेट तनाव में ईंधन जोड़ने की धमकी दी गई है.

ताइवान-चीन तनाव और भारत पर प्रभाव : ताइवान और चीन के बीच तनाव का भारत पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, जिसमें भू-रणनीतिक विचार भी शामिल हैं. भारत चीन के साथ सीमा साझा करता है और ऐतिहासिक रूप से इसके तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, जिसमें 1962 में सीमा संघर्ष भी शामिल है. ताइवान और चीन के बीच कोई भी तनाव संभावित रूप से एशिया में भू-राजनीतिक गतिशीलता को प्रभावित कर सकता है, भारत के रणनीतिक हितों पर असर डाल रहा है.

व्यापार और आर्थिक निहितार्थः भारत के ताइवान और चीन दोनों के साथ महत्वपूर्ण व्यापारिक संबंध हैं. व्यापार में कोई भी व्यवधान या तनाव बढ़ने से भारत की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है, विशेषकर आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार मार्गों के संदर्भ में असर पड़ सकता है.

कूटनीतिक चुनौतियांः भारत ताइवान और चीन दोनों के साथ अपने संबंधों में एक नाजुक संतुलन बनाए रखता है. भारत 'वन चाइना' नीति का पालन करता है, जो ताइवान को चीन के हिस्से के रूप में मान्यता देता है, लेकिन ताइवान के साथ उसके मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध भी हैं. दोनों के बीच कोई भी तनाव इस नाजुक संतुलन को बनाए रखने में भारत के लिए कूटनीतिक चुनौतियां पैदा कर सकता है.

सुरक्षा संबंधी चिंताएंः क्षेत्र में बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारत को अपनी रक्षा मुद्रा का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है. ताइवान जलडमरूमध्य में बढ़ती सैन्य गतिविधियों या संघर्षों से भारत के लिए व्यापक सुरक्षा निहितार्थ हो सकते हैं, जिससे संभावित रूप से इसकी रक्षा रणनीति में समायोजन की आवश्यकता हो सकती है.

क्या जर्मन रूस के साथ युद्ध को लेकर चिंतित हैं?

यूरोपीय चुनाव को लेकर जर्मनी में प्रचार अभियान जारी है. राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के पोस्टर अलग-अलग जगहों पर नजर आ रहे हैं. इन पोस्टर में इस बार एक खास बात यह दिख रही है कि "बाहरी खतरों" को मुद्दा बनाया गया है. हर गली-मोहल्ले में "सुरक्षा" और "ताकत" जैसे शब्दों के साथ उम्मीदवारों की गंभीर मुद्रा वाली तस्वीर नजर आ रही है.

दरअसल, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से जर्मन राजनेता आम लोगों को खतरनाक समय के लिए तैयार कर रहे हैं. इसकी वजह यह है कि जर्मन सेना यानी बुंडेसवेयर को सुरक्षा कार्य के लिए सक्षम नहीं माना जाता है. जर्मन सेना के बड़े अधिकारियों का कहना है कि जर्मनी की फौज न तो नाटो की जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएगी और न ही खुद जर्मनी की रक्षा कर सकेगी.

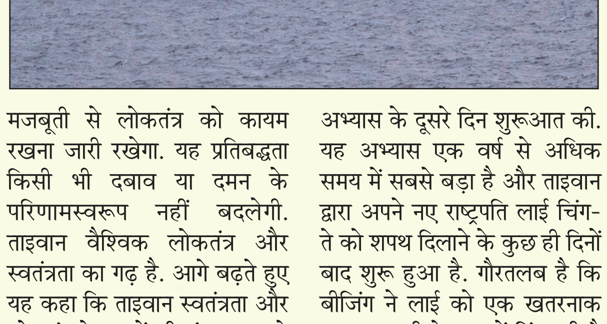

चांसलर ने खर्च पर लगाई रोक

यही वजह है कि जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस बुंडेसवेयर के लिए अधिक धन की मांग कर रहे हैं. 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के ठीक बाद, चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने सशस्त्र बलों को सशक्त बनाने के लिए 100 अरब यूरो के "विशेष फंड" की घोषणा की थी. यह फंड जर्मन सेना को आधुनिक बनाने के लिए लिया गया एक विशेष कर्ज है. वहीं, पिस्टोरियस चाहते हैं कि 2025 के सैन्य बजट में अतिरिक्त 6.5 अरब यूरो दिया जाए.

उन्होंने जोर देकर कहा कि इस अतिरिक्त खर्च को जर्मन संविधान में मौजूद "डेट ब्रेक (कर्ज लेने की सीमा)" प्रावधान के तहत शामिल नहीं किया जाना चाहिए. दरअसल, सरकारी कर्जे पर लगाम लगाने के लिए, 2009 में जर्मन बेसिक लॉ में "डेट ब्रेक" को लाया गया था. इस कदम को वित्तीय संकट के बाद उठाया गया, ताकि वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सरकारी कर्ज पर कड़ी सीमा लगा दी जाए. हालांकि, अप्रत्याशित स्थिति में इस लगाम को हटाया जा सकता है, जैसा कोविड महामारी के समय किया गया. रक्षा मंत्री को उनके इस तर्क के लिए उनके ही मंत्रालय द्वारा प्रकाशित कानूनी राय का समर्थन मिला है. इस राय में कहा गया है कि जर्मनी की खुद को बचाने की क्षमता, सरकारी कर्ज कम करने की नीति (डेट ब्रेक) से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है. म्यूनिख में बुंडेसवेयर यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा विषय के प्रोफेसर फ्रैंक सॉयर का मानना है कि 100 अरब यूरो की मदद के बाद भी बुंडेसवेयर को अभी कम धन मिल रहा है. उनका तर्क है कि अगर 2026 तक और अधिक धन नहीं मिलता है, तो जर्मन सेना "बहुत मुश्किल से मौजूदा कार्यों को जारी रख पाएगी"।

पुतिन ने अमेरिकी संपत्ति जब्त करने की अनुमति वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए

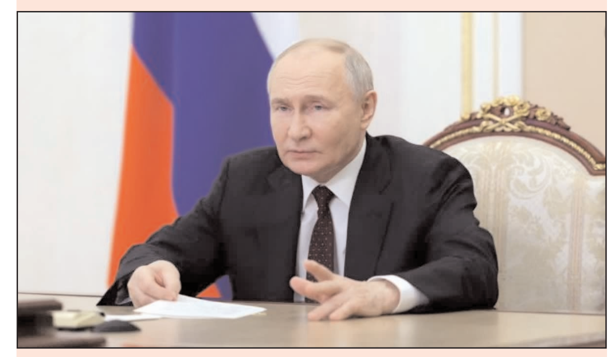

मॉस्को : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका द्वारा रूसी संपत्तियों की संभावित जब्ती के जवाब में अमेरिकी संपत्तियों को जब्त करने के एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए. अमेरिका में रूस की संपत्तियों की जब्ती की आशंका के जवाब में यह फैसला किया गया है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डिक्री में लिखा है कि रूसी सेंट्रल बैंक और रूसी संस्थाओं को अमेरिका द्वारा संपत्तियों की गैरकानूनी जब्ती के मामले में अदालत में कानूनी निवारण लेने का अधिकार होगा.

रूसी सरकार का एक विशेष आयोग अमेरिकी परिसंपत्तियों या संपत्तियों की पहचान करेगा, जिसमें रूस में चल और अचल अमेरिकी संपत्तियां, प्रतिभूतियां, रूसी उद्यमों में शेयर और संपत्ति के अधिकार शामिल हैं, जिनका उपयोग होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए किया जा सकता है.

सरकार को डिक्री लागू करना सुविधाजनक बनाने के लिए रूसी कानून में संशोधन पेश करने के लिए चार महीने का समय दिया गया है. इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अप्रैल में एक कानून पर हस्ताक्षर किए थे. इस के तहत प्रशासन को अमेरिका में रूस की लगभग 5 अरब डॉलर की संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार दिया गया है. बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चलने के दौरान नाटो समेत कई देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं.

इंसान की तरह 3 तक बोल सकते हैं कैरियन कौवे: शोध

कैरियन कौवों को ह्यपंखों वाले बंदर' कहा जाता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी समझदारी का स्तर काफी कुछ इंसानों जैसा है. वे इंसानों के चेहरे पहचान सकते हैं. बीजों को फोड़ने के लिए वे सड़क पर फेंक देते हैं ताकि कारों के पहियों के नीचे आकर वे खुल जाएं. यहां तक कि वे 3 तक गिनती भी गिन सकते हैं.

अब वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ये कौवे इंसान के बच्चों की तरह बोल-बोलकर भी गिन सकते हैं. साइंस पत्रिका में छपे एक शोध में बताया गया है कि इन कौवों के गिनने का तरीका इंसानों जैसा है. यानी ऐसा करने वाली यह इंसान के अलावा एकमात्र प्रजाति है.

संख्याएं बोलने की क्षमता

जर्मनी की ट्यूबिंगेन यूनिवर्सिटी में बायोलॉजिस्ट डायना लियाओ और उनके सहयोगियों ने यह शोध किया है. लियाओ के मुताबिक कैरियन प्रजाति के कौवे बहुत हद तक इंसानों जैसे होते हैं. साइंस पत्रिका से बातचीत में लियाओ ने बताया कि कौवों के इसी गुण ने उन्हें शोध करने के लिए प्रेरित किया.

शोधकर्ता कहते हैं कि इंसानी भाषा की एक विशेष बात यह है कि इंसान किसी भी शब्द को ध्वनि के साथ यानी बोलकर कह सकता है. जैसे कि पांच संतरे देखकर वे इस संख्या को बोलकर बता सकते हैं. लेकिन एकदम पांच तक पहुंचने से पहले इंसान अपने बचपन में एक-एक कर-के उन्हें गिनता है. जैसे कि वह एक, दो, तीन, चार, पांच करके पांच तक गिनेगा या फिर एक-एक करके.

वैज्ञानिक जानना चाहते थे कि क्या कैरियन कौवे भी ऐसा ही करते हैं. इसके लिए डायना लियाओ और ट्यूबिंगेन यूनिवर्सिटी में उनके सहयोगी, प्राणीविज्ञानी आंद्रियास नीडर ने तीन कौवों पर अध्ययन किया. इन तीनों को यूनिवर्सिटी की ही न्यूरोबायोलॉजी लैब में पाला-पोसा गया है.

कैसे सिखाया गया?

वैज्ञानिकों ने इन कौवों को अरबी गिनती को एक से चार तक पढ़ना सिखाया. हर अंक पर उन्हें आवाज निकालनी होती थी. इसके लिए गिटार और ड्रम जैसी आवाजों का इस्तेमाल किया गया. मसलन, गिटार की धुन पर वे एक बोलते और ड्रम की धुन पर तीन.

गिनती पूरी करने के बाद इन कौवों को स्क्रीन पर अपनी चोंच से एक बटन को दबाना होता था. जो कौवे सही अंक पढ़ते, उन्हें खाने में एक कीट मिलता था.

एक हजार बार परीक्षण के बाद कौवों ने आमतौर पर सही गिनती गिनना सीख लिया. लियाओ कहती हैं कि यह इस बात का संकेत था कि वे काम को समझ गए थे. हालांकि तीन या चार तक पहुंचने में वे गलतियां करने लगे थे.